Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 283
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार, 19 अक्टूबर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

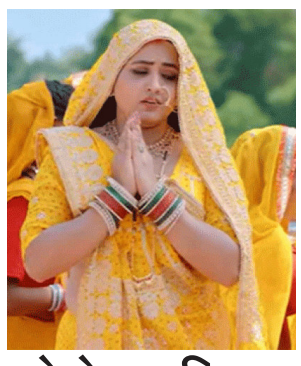

3 ग्रामीण भूमिहीन लाभार्थियों को आवास लाभ...

4 चेतना के निर्माण का कार्य करती है शिक्षा...

7 पाकिस्तान के हवाई हमले में 3 अफगान...

संक्षिप्त न्यूज

पिछड़ा वर्ग आरक्षण पर हाईकोर्ट की रोक के खिलाफ बंद शुरू, राजनीतिक दलों ने किया समर्थन

हैदराबाद। पिछड़ा वर्ग संयुक्त कार्रवाई समिति (बीसी जेएसी) के आह्वान पर तेलंगाना में राज्यव्यापी बंद शुरू हो गया है। यह बंद हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ बुलाया गया है, जिसमें स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों को दिए गए 42 फीसदी आरक्षण पर रोक लगाई गई है। इस बंद को सत्तारूढ़ कांग्रेस समेत सभी सियासी दलों का समर्थन मिला है। समिति के अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सांसद आर कृष्णैया ने पहले ही सभी राजनीतिक दलों और नागरिक संगठनों से बंद को समर्थन देने की अपील की थी। आपातकालीन और आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी क्षेत्रों से बंद में सहयोग करने की अपील की गई है।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने नौ अक्तूबर को राज्य सरकार के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी, जिसमें स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग समुदाय को 42 फीसदी आरक्षण देने की बात कही गई थी।

इस विरोध के तहत विभिन्न राजनीतिक दलों और पिछड़ा वर्ग संगठनों के नेता तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) की बस डिपो के बाहर धरना दे रहे हैं और बसों को बाहर निकलने से रोक रहे हैं। भाजपा के लोकसभा सांसद एतला राजेंदर ने जुबली बस स्टेशन पर बंद में हिस्सा लिया।

तेलंगाना जागृति की संस्थापक और बीआरएस नेता के. कविता ने भी धरना दिया और मीडिया से कहा कि अदालत को आरक्षण के पक्ष में राजी करने में सरकार विफल रही है। उन्होंने कहा, चाहे कांग्रेस हो या भाजपा, पिछड़ा वर्ग समुदाय को गुमराह करना बंद करें। अगर स्थानीय चुनाव अभी नहीं भी होते तो कोई फर्क नहीं पड़ता। पहले पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण सुनिश्चित करें।

'देश से नक्सवाद खत्म होने जा रहा है'; पीएम मोदी बोले- इस बार माओवादी आतंक मुक्त दिवाली की रौनक दिखेगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा वो दिन दूर नहीं, जब देश नक्सलवाद से, माओवादी आतंक से पूरी तरह मुक्त होगा। इस बार माओवादी आतंक से मुक्त क्षेत्रों में दिवाली की रौनक कुछ और होने जा रही है। 50-55 साल हुए दिवाली नहीं देखी थी उन्होंने। अब दिवाली देखेंगे और मुझे पक्का विश्वास है हमारी मेहनत रंग लाएगी। वहां भी इस बार खुशियों के दीए जलेंगे। पीएम ने कहा, ये भी मोदी की गारंटी है।

दिल्ली में एक मीडिया समूह के कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा, मैं आपके सामने एक ऐसा विषय उठाना चाहता हूं जो देश की सुरक्षा के हिसाब से तो बड़ा है ही, हमारे नौजवानों के भविष्य से भी जुड़ा है। ये विषय नक्सलवाद का है। कांग्रेस के शासन में अर्बन नक्सलों का इकोसिस्टम इस कदर हावी था, और आज भी है, कि माओवादी आतंक की घटनाओं को लोगों तक न पहुंचने देने के लिए सेंसरशिप चलाता रहता है। कांग्रेस के शासन में अर्बन नक्सली माओवादी आतंकवाद पर कोई चर्चा नहीं होने देते थे। इसे नक्सलवाद नाम यूं ही दे दिया गया था, हकीकत में ये माओवादी आतंक था।

मीडिया में कांग्रेस के इकोसिस्टम की चर्चा करते हुए पीएम मोदी ने कहा, तब देश में आतंकवाद की इतनी चर्चा होती थी। अनुच्छेद 370 पर बहस होती थी। लेकिन अर्बन नक्सली, जो ऐसी

संस्थानों पर कब्जा करके बैठे थे, माओवादी आतंक पर पर्दा डालने का काम करते थे। देश को अंधेरे में रखते थे।

पीएम ने कहा, 11 वर्ष पहले तक देश के सवा सौ जिले, 125 से ज्यादा, माओवादी आतंक से प्रभावित थे और आज ये संख्या सिर्फ 11 जिलों तक सिमट गई है। उस 11 में भी अब सिर्फ तीन जिले ही ऐसे बचे हैं, जो सबसे अधिक नक्सल प्रभावित हैं। सिर्फ पिछले 75 घंटों में 303 नक्सलियों ने हथियार डाले हैं। एक जमाने में जिनका 303 (गोली) चलता था, आज वो 303 सरेंडर हुए हैं। और ये कोई सामान्य नक्सली नहीं हैं, ये वो हैं जिनमें से किसी पर एक करोड़, किसी पर 25 लाख तो किसी पर 5 लाख का इनाम था।

पीएम मोदी ने कहा, नक्सली हिंसा के कारण मैं बेचैनी महसूस करता था, जबान पे ताला लगा के बैठा था, आज पहली बार मेरे दर्द को आपके सामने प्रस्तुत कर रहा हूं। मैं उन माताओं को जानता हूं जिन्होंने अपने लाल खोए हैं। उन माताओं की अपने लाल से कुछ अपेक्षाएं थी। या तो वो ये माओवादी आतंकियों के झूठे बातों में फंस गए या तो माओवादी आतंक का शिकार हो गए। इसलिए, 2014 के बाद हमारी सरकार ने पूरी संवेदनशीलता के साथ भटके हुए नौजवानों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, अभी कुछ दिन पहले माओवादी आतंक के कई पीड़ित बड़ी संख्या में दिल्ली आए थे। इनकी दर्दनाक स्थिति थी। किसी की टांग नहीं थी, किसी का हाथ नहीं था, किसी की आंख नहीं थी, शरीर के अंग कुछ चले गए थे। ये माओवादी आतंक के शिकार लोग थे। गांव के गरीब, आदिवासी, भाई बहन, किसान के बेटे थे। माताएं-बहनें थीं। वो दिल्ली आए थे, 7 दिन रहे, हाथ-पैर जोड़ के कह रहे थे कि हमारी बात हिंदुस्तान के लोगों तक पहुंचाइए। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया लेकिन आपमें से किसी ने देखा या सुना नहीं होगा। क्योंकि माओवादी आतंक के ठेकेदारों ने उस जुल्म के शिकारों के दर्द की कथा भी हिंदुस्तान के लोगों तक नहीं पहुंचने दी। कांग्रेस के इकोसिस्टम ने इसकी बहुत चर्चा ही नहीं होने दी।

प्रधानमंत्री ने कहा, 11 साल पहले देश का करीब-करीब हर बड़ा राज्य माओवादी आतंक की चपेट में था। बाकी देश में संविधान लागू था...लेकिन लाल गलियारे में संविधान का कोई नाम लेने वाला नहीं था।

सीएम सरमा का चौथा कैबिनेट विस्तार, बीटीसी चुनाव में भाजपा को हराने वाली पार्टी के नेता को बनाया मंत्री

गुवाहाटी। असम में शनिवार को कैबिनेट का विस्तार किया गया, जिसमें बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के विधायक चरण बोरो ने मंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने मजबत से दूसरी बार विधायक बने बोरो को शपथ दिलाई।

बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट अब तक भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन का औपचारिक हिस्सा नहीं था। लेकिन विधानसभा में उसका समर्थन करता रहा है। हाल ही में हुए बोडोलैंड क्षेत्रीय परिषद चुनावों में बीपीएफ को बड़ी जीत मिली थी, जिसके बाद यह राजनीतिक कदम सामने आया। बीटीसी चुनाव के लिए मतदान 22 सितंबर को हुआ था। बीपीएफ ने 40 में से 28 सीटें जीतकर परिषद पर स्पष्ट बहुमत हासिल कियाथा। बीटीआर के पांच जिलों कोकराझार, चिरांग, उदालगुरी, बक्सा और तामुलपुर में कुल 316 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था।

राजभवन में हुए शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, उनके कैबिनेट सहयोगी और कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। चरण बोरो ने राज्य की कैबिनेट में आखिरी खाली पद को भर दिया है।

अब असम कैबिनेट में मुख्यमंत्री समेत 15 भाजपा विधायक, असम गण परिषद (एजीपी) के दो, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) के एक और बीपीएफ का एक मंत्री शामिल हो गया है। यह मुख्यमंत्री सरमा के नेतृत्व वाली सरकार में चौथा कैबिनेट विस्तार है।

साबरकांठा में दो गुटों के बीच भड़की हिंसा, जमकर हुआ पथराव और आगजनी; इलाके में भारी पुलिस बल तैनात

साबरकांठा। गुजरात के साबरकांठा के माजरा गांव में बीती रात दो गुटों के बीच हिंसा भड़क गई। हिंसा के दौरान कई वाहनों में आग लगा दी गई और घरों में तोड़फोड़ की गई। हालात को देखते हुए गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। साबरकांठा के पुलिस उपाधीक्षक अतुल पटेल ने बताया, 'माजरा गांव में कल रात लगभग 10:30 बजे दो समूहों के बीच पथराव और आगजनी की घटना दर्ज की गई। लगभग 110 से 120 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस घटना में 20 से अधिक दोपहिया वाहन, 10 से अधिक चार पहिया वाहन और कुछ घरों को नुकसान पहुंचा है। इस घटना के सिलसिले में अब तक करीब 20 लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। हिंसक झड़प में लगभग 10 लोग घायल हुए हैं।' पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि हिंसा की वजह पुरानी दुश्मनी थी।'

धार्मिक आयोजन को लेकर हुई हिंसा

पुलिस ने बताया कि गांव में एक धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन को लेकर दो समूहों में झड़प हुई। मामूली बात पर विवाद देखते ही देखते पथराव और मारपीट में बदल गया। दंगाई भीड़ ने गांव में संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया और कई वाहनों में आग लगा दी। साथ ही कई घरों में भी तोड़फोड़ की गई। कई वाहनों में आग लगा दी गई। हिंसा के चलते करोड़ों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। हिंसक घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस तुरंत हरकत में आई और गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में लेकिन तनावपूर्ण है।

सीएम स्टालिन ने केंद्र पर लगाए कई आरोप; पूछा- राज्यपालों के जरिए अराजकता क्यों फैलाई जा रही है?

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को केंद्र की भाजपा सरकार पर राज्य के साथ गहरा पक्षपात करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि न केवल राज्य के वित्त मंत्री थंगम थेनारासु ने वित्तीय भेदभाव की ओर इशारा किया है, बल्कि लोगों के दिलों में भी कई सवाल उठ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, 'मैं भी कुछ सवाल पूछना चाहता हूं। जो लोग भ्रष्टाचार के मामलों में फंसे हैं, वे भाजपा गठबंधन में शामिल होते ही कैसे साफ हो जाते हैं? यह कैसी वॉशिंग मशीन है?' उन्होंने एक बार फिर अपने वॉशिंग मशीन वाले तंज को दोहराया।

सीएम स्टालिन ने यह भी पूछा कि देश की योजनाओं और कानूनों के नाम केवल हिंदी और संस्कृत में ही क्यों रखे जाते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'केंद्रीय मंत्री हमारे बच्चों को अंधविश्वास क्यों सिखा रहे हैं? विपक्षी दलों के शासन वाले राज्यों में राज्यपालों के जरिए अराजकता क्यों

फैलाई जा रही है?'

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा वोट पाने के लिए धांधली की रणनीति अपना रही है और एसआईआर मॉडल के जरिए चुनाव में गड़बड़ी कर रही है। साथ ही उन्होंने सवाल उठाया कि केंद्र सरकार कीझाड़ी पुरातात्विक स्थल की वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित रिपोर्ट को स्वीकार क्यों नहीं कर रही। स्टालिन ने कहा, 'क्या आप फिर से व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से झूठा प्रचार शुरू करेंगे?'

इससे पहले, 17 अक्तूबर को विधानसभा में राज्य की वित्तीय स्थिति पर बोलते हुए वित्त मंत्री थंगम थेनारासु ने केंद्र से 10 सवाल पूछे और वित्तीय भेदभाव का आरोप लगाया। जिसमें ये आरोप शामिल हैं- 1) सहकारी संघवाद के नाम पर जीएसटी सुधार के बावजूद राज्यों को उचित हिस्सा नहीं। 2) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और हिंदी थोपकर तमिलनाडु के बच्चों की शिक्षा को नुकसान। 3) सड़कों की योजनाओं में तमिलनाडु को शामिल न करना। 4) दक्षिण रेलवे को नई परियोजनाओं के लिए फंड में भेदभाव। 5) मदुरै और कोयंबटूर मेट्रो रेल परियोजनाओं को मंजूरी में देरी। 6) जल जीवन मिशन योजना के तहत तमिलनाडु को मिलने वाले ?3709 करोड़ की राशि जारी न करना। 7) जनसंख्या में 6इ हिस्सेदारी के बावजूद वित्तीय वितरण में केवल 4इ हिस्सा देना।

वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सहकारी संघवाद का केवल नारा लगाता है, लेकिन व्यवहार में तमिलनाडु के साथ भेदभाव किया जा रहा है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने इन सवालों को आगे बढ़ाते हुए कहा कि तमिलनाडु के लोग इस दोहरे रवैये को देख रहे हैं और जवाब मांग रहे हैं। उन्होंने यह भी साफ किया कि राज्य इन मुद्दों पर चुप नहीं बैठेगा और केंद्र से जवाब की मांग जारी रखेगा।

'सड़कें बनाना चाहती हैं तो बना लें...', खराब सड़क विवाद पर डीके शिवकुमार ने किरण पर किया पलटवार

बंगलूरू। बंगलूरू की खराब सड़कों को लेकर उठी एक टिप्पणी ने कर्नाटक की सियासत में नया विवाद खड़ा कर दिया है। बायोकॉन चेयरपर्सन किरण मजूमदार शॉ ने शहर की जर्जर सड़कों और गंदगी पर सवाल उठाए तो उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने तंज भरे अंदाज में जवाब देते हुए कहा कि अगर वह सड़कें बनाना चाहती हैं, तो उन्हें बनाने दीजिए। वो बना लें।

शनिवार को बंगलूरू के के.आर. पुरम क्षेत्र में बंगलूरू नडिगे (वॉक फॉर बंगलूरू) कार्यक्रम के दौरान डीके शिवकुमार ने मजूमदार शॉ की आलोचना पर कहा कि अगर वह सड़कें बनाना चाहती हैं, तो बना लें। अगर वह आएं और कहें, तो हम उन्हें सड़कें दे देंगे। शिवकुमार ने बताया कि इस क्षेत्र के लोगों ने ज्यादा टैक्स दिया है, इसलिए सरकार ने विकास के लिए 50 करोड़ रुपये खर्च की अनुमति दी है।

शहर के विकास को लेकर सरकार का बचाव

शिवकुमार ने कहा कि बंगलूरू शहर हर साल करीब 6,000 करोड़ रुपये टैक्स देता है, जिसमें से 1,600 करोड़

रुपये इसी कॉर्पोरेशन को मिलते हैं। यह इलाका ज्यादा कर चुका रहा है, इसलिए हमने इसके विकास के लिए 50 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बंगलूरू के हर वार्ड और कॉलोनी में आधारभूत ढांचे को सुधारने के लिए कदम उठा रही है।

शिकायतें दर्ज करने की अपील

उपमुख्यमंत्री ने नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी समस्या के लिए सीधे उन्हें या हेल्पलाइन 1533 पर संपर्क करें। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति रिश्वत मांगेगा, उसे आज ही निलंबित किया जाएगा। शिवकुमार ने कहा कि ग्रेटर बंगलूरू अथॉरिटी (जीबीए) जैसे प्रोजेक्ट्स किसी एक व्यक्ति के बस की बात नहीं हैं और इसके लिए जनता का सहयोग जरूरी है।

किरण मजूमदार शॉ की आलोचना

बायोकॉन प्रमुख किरण मजूमदार शॉ ने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बंगलूरू की सड़कों और सफाई व्यवस्था पर सवाल उठाए थे। उन्होंने लिखा, 'मेरे पास एक विदेशी बिजनेस विजिटर आया जिसने पूछा कि बंगलूरू में सड़कों की हालत इतनी खराब क्यों है और चारों ओर इतनी गंदगी क्यों है? क्या सरकार निवेश को समर्थन नहीं देना चाहती?' उनके इस पोस्ट के बाद राज्य सरकार की कार्यशैली पर बहस छिड़ गई।

प्रियांक खरगे और एमबी पाटिल ने दी सफाई

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्य के मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि विदेशी विजिटर ने शहर की पूरी तस्वीर नहीं देखी होगी। उन्होंने कहा कि काम जारी है, हम तेज़ी से विकास कर रहे हैं और इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार के लिए जो जरूरी है, वह किया जा रहा है। वहीं, मंत्री एमबी पाटिल ने कहा कि मजूमदार शॉ का राज्य में बड़ा योगदान है, लेकिन उनकी आलोचना सही समय पर नहीं हुई क्योंकि विकास कार्य फिलहाल जारी हैं।

सीएम ममता ने पीएम मोदी से रद्द करने की मांग की

'सरकार की सलाह के बिना हुई वार्ताकार की नियुक्ति'

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक चिट्ठी लिखकर नाराजगी जताई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार ने गोरखा मुद्दों पर बातचीत के लिए एक 'इंटरलोक्यूटर' यानी मध्यस्थ को राज्य सरकार से बिना कोई सलाह लिए ही नियुक्त कर दिया है। सीएम ममता ने कहा कि गोरखा समुदाय से जुड़े मामले बेहद संवेदनशील हैं और इन पर फैसला राज्य सरकार की भागीदारी के बिना नहीं होना चाहिए। उनके मुताबिक, गोरखा आंदोलन और उससे जुड़े राजनीतिक मसले सीधे तौर पर राज्य की शांति, प्रशासन और विकास से जुड़े हैं। ऐसे में बिना राज्य को शामिल किए किसी मध्यस्थ की नियुक्ति करना संघीय ढांचे की भावना के खिलाफ है। सरकार ने सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी पंकज कुमार सिंह को गोरखा समुदाय से जुड़े मुद्दों पर बातचीत के लिए वार्ताकार नियुक्त किया है। ममता बनर्जी का कहना है कि इस फैसले से पहले राज्य सरकार से कोई सलाह-मशविरा नहीं किया गया, जबकि यह मामला सीधे तौर पर पश्चिम बंगाल के

दार्जिलिंग हिल्स, तराई और दुआर्स क्षेत्रों से जुड़ा है। मुख्यमंत्री ने पत्र में लिखा, 'इस तरह का एकतरफा निर्णय सहकारी संघवाद की भावना के खिलाफ है, जो हमारे संविधान के मूल सिद्धांतों में से एक है।' उन्होंने कहा कि गोरखा समुदाय से जुड़े किसी भी कदम में राज्य सरकार को शामिल करना जरूरी है, ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे।

ममता बनर्जी ने याद दिलाया कि गोरखालैंड टेरिटोरियल एडमिनिस्ट्रेशन (जीटीए) का गठन 18 जुलाई 2011 को दार्जिलिंग में त्रिपक्षीय समझौते के तहत हुआ था। यह समझौता केंद्र सरकार, राज्य सरकार और गोरखा जनमुक्ति मोर्चा (जीजेएम) के बीच हुआ था। इसका उद्देश्य गोरखा समुदाय की सांस्कृतिक पहचान की रक्षा करना और पहाड़ी क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित करना था। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2011 में उनकी सरकार के सत्ता में आने के बाद से पहाड़ी क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बना हुआ है और इसे बरकरार रखने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है।

असम के राज्यपाल, शाह, नड्डा और मुख्यमंत्री ने 'काटी बिहू' की शुभकामनाएं दीं

गुवाहाटी। असम में शनिवार को काटी बिहू के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा

और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं। 'काटी बिहू' कृषि से जुड़ा पर्व है। राज्यपाल आचार्य ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'काटी बिहू के अवसर पर मैं पवित्र तुलसी के समक्ष असम के लोगों के कल्याण की प्रार्थना करता हूं।'

शाह ने सोशल मीडिया पर लिखा,'असम के मेरे सभी बहनों और भाइयों के कल्याण व समृद्धि के लिए प्रार्थना की। यह त्योहार सभी के जीवन में खुशियां और समृद्धि लाए।'

नड्डा ने भी काटी बिहू के अवसर पर असम के लोगों को शुभकामनाएं दीं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, 'असम के सभी बहनों और भाइयों को काटी बिहू के पावन अवसर पर हार्दिक बधाई। कामना करता हूं कि यह त्योहार हर घर को नयी आशा व समृद्धि प्रदान करे।' शर्मा ने 'एक्स' पर लिखा, 'आज शाम, असम के लोग मां तुलसी के सामने दीया जलाकर आने वाले दिनों में भरपूर फसल व सभी की सुरक्षा और समृद्धि की प्रार्थना करेंगे। यह हमारे किसानों के योगदान और प्रकृति के साथ हमारे घनिष्ठ संबंधों को याद करने का एक पवित्र अवसर है।

दिल्ली सीएम बोलीं- जब सनातनी सरकार आती है तो दिवाली की भव्यता-दिव्यता अद्वितीय

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी के लोगों में दिवाली के विशेष उत्साह को उजागर करते हुए कहा कि जब एक 'सनातनी सरकार' सत्ता संभालती है, तो त्योहार की भव्यता और दिव्यता अद्वितीय हो जाती है। उन्होंने कहा कि अगर दिवाली दिल्ली में मनाई जाती है, तो यह राष्ट्रीय राजधानी का त्योहार बन जाती है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की दिवाली राष्ट्रीय राजधानी की दिवाली है, और इसे मनाया जाना चाहिए, देखा जाना चाहिए और महसूस किया जाना चाहिए। जब ??एक सनातनी सरकार सत्ता में आती है, तो इसकी भव्यता और दिव्यता अद्वितीय होती है। आज, दिल्ली में हर कोई, चाहे उसकी उम्र, लिंग या सामाजिक स्थिति कुछ भी हो, खुश है। वे प्रधानमंत्री मोदी की जीएसटी बचत के कारण दिवाली मनाते हैं।

रेखा गुप्ता ने आगे कहा कि दिल्ली के नागरिक कई वर्षों से दिवाली और छठ पूजा जैसे त्योहारों की असली भावना से वंचित रहे हैं। आगामी दीपोत्सव समारोह की प्रशंसा करते हुए, उन्होंने कहा कि लाखों दीये कर्त्तव्य पथ को जगमगाएँगे और बेजोड़ भव्यता और दिव्यता का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का जीएसटी क्रेडिट, पटाखों के परमिट, छठ घाट पर छठ की तैयारियाँ और युवाओं के लिए कार्यक्रम प्रबंधन। ये सभी ऐसे त्योहार हैं जिन्हें दिल्ली वर्षों से मिस करती रही है। लेकिन अब और नहीं। अब, दिल्ली खुलकर जी सकेगी, अपने त्योहारों को खुशी से मना सकेगी और अपनी खुशियाँ व्यक्त कर सकेगी। जब कर्त्तव्य पथ पर लाखों दीये जलाए जाएँगे, तो दिल्ली भव्यता और दिव्यता की साक्षी बनेगी। ईश्वर करे कि यह प्रकाश दिल्ली और हमारे देश को सदैव प्रकाशित रखे।

इससे पहले आज, दिल्ली के मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि सरकार शाम 6 बजे से कर्त्तव्य पथ पर 'दीपोत्सव' कार्यक्रम आयोजित करेगी। इस कार्यक्रम में 1.51 लाख दीये प्रज्वलित किए जाएँगे, साथ ही राम कथा का पाठ, ड्रोन शो और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, दिल्ली के मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम को हिंदू त्योहारों के सांस्कृतिक जागरण के रूप में वर्णित किया और इसे आस्था, आत्म-गौरव और सनातन परंपरा के पुनरुत्थान का क्षण बताया।

राजनाथ और योगी ने लखनऊ में निर्मित ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप का अनावरण किया

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई में निर्मित ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप का अनावरण किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह न केवल उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे (यूपीडीआईसी) के लिए एक उपलब्धि है, बल्कि इससे रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता हासिल करने के भारत के संकल्प को एक नयी ऊर्जा भी मिलेगी।

बयान में कहा गया है कि ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली की निर्माता ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने लखनऊ के सरोजिनी नगर में स्थित अपने नए केंद्र में मिसाइल प्रणाली के पहले समूह का सफलतापूर्वक उत्पादन किया है। इस अत्याधुनिक इकाई का उद्घाटन 11 मई, 2025 को किया गया था। इसमें मिसाइल एकीकरण, परीक्षण और अंतिम गुणवत्ता जांच के लिए सभी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं।

भारतीय सशस्त्र बल सफल परीक्षण

के बाद मिसाइलों को तैनाती के लिए तैयार करते हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी और विभिन्न अधिकारी उपस्थित थे।

ठाणे में पूर्व पार्षद और उनके समर्थकों पर अज्ञात लोगों ने किया हमला; कुल 15 आरोपियों पर केस दर्ज

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में कल्याण-डोंबिवली इलाके में एक पूर्व पार्षद और उनके दो समर्थकों पर शुक्रवार देर रात हमला हुआ। इस हमले में पूर्व पार्षद को हल्की चोटें आईं, जबकि दो समर्थक गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, यह घटना बेतुरकरपाड़ा इलाके में हुई है।

शिवसेना से पार्षद रह चुके हैं उमेश बोरगांवकर

पुलिस के अनुसार, उमेश बोरगांवकर, जो पहले शिवसेना से पार्षद रह चुके हैं, अपने कार्यालय के पास मौजूद थे। उसी समय दो समूहों में झगड़ा हुआ। बोरगांवकर और उनके समर्थक झगड़ा सुलझाने पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। लेकिन हमलावरों को यह बात नागवार गुजरी। इस दौरान जैसे ही उमेश बोरगांवकर और उनके समर्थक वापस कार्यालय लौटे, हमलावर पहले से घात लगाकर बैठे थे। उन्होंने उनकी गाड़ी को घेर लिया और पथराव शुरू कर दिया। इसमें बोरगांवकर को हल्की चोटें आईं, जबकि उनके समर्थक ओमकार सपत और उनके भाई ज्ञानेश्वर सपत गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

हमले के बाद मौके से भाग गए हमलावर

जानकारी के मुताबिक, इस हमले में गाड़ी का शीशा भी टूट गया। जब तक स्थानीय शिवसेना कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे, तब तक हमलावर भाग चुके थे। उमेश बोरगांवकर ने कहा, 'हम लोगों की मदद करने पहुंचे थे, लेकिन कुछ लोगों ने हमें ही निशाना बना लिया।' पुलिस ने उमेश बोरगांवकर की शिकायत पर 15 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। केस महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ है। फिलहाल आरोपियों की तलाश जारी है।

प्रियंका चतुर्वेदी की दो टूक: तेजस्वी को सीएम चेहरा बनाएं, बिहार में महाराष्ट्र वाली चूक ना हो

मुंबई। बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि तेजस्वी यादव, जो एक 'बहुत लोकप्रिय उम्मीदवार' और पूर्व उपमुख्यमंत्री हैं, को महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया जाना चाहिए। बिहार चुनाव 2025 के लिए मतदान 6 और 11 नवंबर को होंगे। नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएँगे। शुक्रवार को चतुर्वेदी ने एएनआई से कहा कि महाराष्ट्र चुनाव में हुई ग़लतियाँ, जिनमें मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा न करना, और सीटों के बंटवारे और उम्मीदवारों के चयन को लेकर तीनों गठबंधन सहयोगियों के बीच विवाद शामिल हैं, बिहार में नहीं दोहराई जानी चाहिए। तेजस्वी यादव एक बेहद लोकप्रिय उम्मीदवार हैं।

चतुर्वेदी ने आगे कहा कि नीतीश कुमार और मुख्यमंत्री पद के अन्य तथाकथित दावेदारों के साथ उनकी लगभग कड़ी टक्कर है। उप-मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने अद्भुत काम किया है। इसलिए अब समय आ गया है कि इंडिया अलायंस के हिस्से के रूप में और इसकी भावना के अनुरूप, जिसके साथ हम आए हैं, हम सभी को उस पार्टी का

समर्थन करना चाहिए जो मज़बूत हो और उन्हें समर्थन दिया जाएगा, उनकी मदद की जाएगी, और उन्हें मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया जाएगा।

इस बीच, कांग्रेस पार्टी ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 48 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी कर दी है। गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) प्रमुख राजेश राम कुटुम्बा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे, जबकि कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता शकील अहमद खान कदवा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। कुल 48 उम्मीदवारों में से 24 पहले चरण के चुनाव में और 24 दूसरे चरण के चुनाव में चुनाव लड़ेंगे। पार्टी ने कहा कि बाकी नामों की घोषणा समय आने पर की जाएगी।

मनपा आयुक्त और परिवहन मंत्री की उपस्थित मे बीएसयूपी योजना के अंतर्गत फ्लैटो की चाभियां वितरित

आदिवासी महिला लाभार्थियों को फ्लैटों की चाबियां मिली

मंत्र भारत। भाईदंर

18 अक्टूबर, को मीरा भयंदर मनपा मुख्यालय में मीरा भयंदर मनपा क्षेत्र में बीएसयूपी योजना के अंतर्गत मीरा भयंदर मनपा निधि से निर्मित भवन में 5 पात्र आदिवासी लाभार्थियों को नए फ्लैटों की चाबियाँ वितरित की गईं। यह चाबी वितरण कार्यक्रम आदिवासियो के पुनर्वास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस विशेष कार्यक्रम में महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, विधायक नरेंद्र मेहता, आदिवासी क्षेत्र समीक्षा समिति के अध्यक्ष माननीय पंडित और मीरा भयंदर मनपा के आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद ए. शर्मा (भा.पु.से.) उपस्थित थे।

इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट व्यक्तियों ने लाभार्थियों को बधाई दी और उन्हें दिवाली की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में बोलते हुए, सबने कहा, 'यह केवल आवास आवंटन की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि एक नए जीवन, स्थिरता और सम्मान की शुरुआत है।' उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जिन लाभार्थियों को अभी तक आवास नहीं मिले हैं, उन्हें जल्द ही उनके आवासों की चाबियाँ प्रदान की जाएँगी। मीरा-भायंदर मनपि और सरकार के संयुक्त प्रयासों से शहर के आदिवासी भाइयों के जीवन को अधिक सक्षम, सुरक्षित और सम्मानजनक बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। सभी लाभार्थियों ने मीरा-भायंदर मनपा प्रशासन और आयुक्त का लाभाआथियो ने आभार व्यक्त किया है।

पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे ने अनाथ बच्चों के साथ दिवाली मनाई

बच्चों के साथ पनाती रंगने और आकाश लालटेन बनाने में उत्साहपूर्वक भाग लिया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यह मानते हुए कि दिवाली केवल रोशनी, पटाखों या सजावट का त्योहार नहीं है, यह मानवता, प्रेम और एकता का त्योहार है, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजा मुंडे ने आज एक अनोखे और हृदयस्पर्शी कार्यक्रम में अनाथ बच्चों के साथ दिवाली मनाई। इन बच्चों के चेहरों पर खुशी देखकर मंत्री श्रीमती मुंडे भावुक हो गईं।

श्रीमती मुंडे ने भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और द चिल्ड्रन्स एड सोसाइटी फॉर अंडरप्रिविलेज्ड किड्स ऑर्फनेज के सहयोग से मुंबई स्थित राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय का दौरा किया। इस अवसर पर आधुनिक कला संग्रहालय की निदेशक निधि चौधरी भी उपस्थित थीं।

मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा, 'यह मायने नहीं रखता कि ये अनाथ बच्चे किस जाति या धर्म के हैं, वे भी इंसान हैं और उनकी आँखों में खुशी समाज के लिए प्रेरणादायी है। ऐसा समाज बनाया जाना चाहिए जहाँ हर व्यक्ति अपनी पहचान बनाए।'

उन्होंने बताया कि पर्यावरण विभाग ने प्रदूषण मुक्त दिवाली के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता फैलाई है। साथ ही, उन्होंने सभी नागरिकों से प्रदूषण मुक्त और पर्यावरण के अनुकूल दिवाली मनाने की अपील की। मुंडे ने कहा कि हम ध्वनि और वायु प्रदूषण से बचकर प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाते हुए पर्यावरण के अनुकूल दिवाली मनाएँगे। इस अवसर पर, मंत्री पंकजा मुंडे ने बच्चों के साथ मिलकर आकाश लालटेन बनाई। उन्होंने लालटेन पर रंग भी किया और चित्रकला गतिविधि में भी भाग लिया। इस अवसर पर, मंत्री पंकजा मुंडे ने आकाश लालटेन बनाने की कार्यशाला और प्रसिद्ध कलाकार ए. ए. अलमेलकर की कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

ठाणे जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर ट्रक में आग लगी, कोई हताहत नहीं

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर एक सुरंग के पास शनिवार तड़के एक ट्रक में आग लग गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के अधिकारी ने बताया कि शाहपुर तालुका में शिरोल सुरंग के पास सुबह करीब चार बजे हुई इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

नागपुर की ओर जा रहे भारी वाहन में आग लग गई जिसके बाद आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम ने 45 मिनट के भीतर

आग पर काबू पा लिया। उन्होंने बताया कि आग से वाहन पूरी तरह से जलकर खाक हो गया और आग लगने के कारण का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

मध्य रेल महाप्रबंधक विजय कुमार द्वारा नासिक स्टेशन सहित विभिन्न स्टेशनों का निरीक्षण – सिंहस्थ कुंभ मेला 2027 की तैयारी की समीक्षा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

सिंहस्थ कुंभ मेला 2027 की तैयारियों के मद्देनजर दिनांक 18 अक्टूबर 2025 को , मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री विजय कुमार ने प्रधान विभागाध्यक्ष, भुसावल मंडल रेल प्रबंधक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नासिक रोड, देवळाली, ओढा, कसबे सुकेणे एवं खेरवाड़ी स्टेशनों का व्यापक निरीक्षण किया।

इस निरीक्षण का उद्देश्य आगामी कुंभ मेले के दौरान यात्रियों की सुविधाओं, संरचनात्मक विकास एवं निर्बाध यात्री आवागमन सुनिश्चित करना था, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को एक सहज एवं सुरक्षित यात्रा अनुभव

प्रदान किया जा सके। निरीक्षण के दौरान यात्री सुविधाओं का विस्तार, प्लेटफॉर्म की क्षमता, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल, टिकट काउंटर, यात्री सूचना प्रणाली, भीड़ प्रबंधन व्यवस्था , होल्डिंग क्षेत्र तथा रेलवे परिचालन की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया गया।

महाप्रबंधक श्री विजय कुमार इन्होने नासिक-भुसावल खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने चल रहे विभिन्न कार्यों की समीक्षा की तथा रेल पटरियों की फिटनेस, स्टेशन परिसरों की स्थिति, ओवरहेड इलेक्ट्रिक (ओएचई) प्रणाली, लेवल क्रॉसिंग और प्रमुख सुरक्षा अधोसंरचनाओं का निरीक्षण किया।

भुसावल मंडल सिंहस्थ कुंभ मेला 2027 को सफल बनाने हेतु पूर्ण रूप से कटिबद्ध है। रेल प्रशासन यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा एवं सुचारू आवागमन सुनिश्चित करने के लिए ठोस अधोसंरचना और समन्वित प्रयासों के साथ निरंतर कार्य कर रहा है।

पश्चिम रेलवे

परिचारकों की नियुक्ति

सहायक मंडल सामग्री प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल, मुंबई 400 008, निविदा सूचना संख्या 8125ॐण्ऊप्गिहुऊॅंअ्ख दिनांक 16.10.2025 आमंत्रित करता है, जो 17.11.2025 को खुलेगी। **कार्य और स्थान:** पश्चिम रेलवे मुंबई सेंट्रल मंडल (महाराष्ट्र और गुजरात में लेखा और आरआरबी-मुंबई सहित) में कार्यरत अधिकारियों के लिए 24 महीने की अवधि के लिए TADK के स्थान पर परिचारकों की नियुक्ति। **कार्य की अनुमानित लागत:** 3,16,18,437/- **बयाना राशि:** 25,000/- **जमा करने की तिथि और समय:** 17.11.2025, सुबह 11:00 बजे तक। **उद्घाटन की तिथि और समय:** 17.11.2025 को सुबह 11:00 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0722

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे
मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल - मुंबई - 400 008।

कार्य - मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करना।

नीलामी सूची क्रमांक			नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)	
MMCT-ADVT-25-47			06-11-25 15:00 hrs.	
अ. क्र.	लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	ADVT-BCT-MIRA -OSN-445-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	मीरा रोड (MIRA) स्टेशन पर तीन वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	06.11.25 15:30 hrs.

संपर्क विवरण: - लैंडलाइन नंबर: - 02267644212, ईमेल आईडी: - acmadvtgbct@gmail.com
नोट: संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉटवार विवरण नीचे दिए गए कैटलॉग में उपलब्ध हैं।
0715

Like us on : facebook.com/WesternRly | Follow us on : twitter.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विभिन्न कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (पश्चिम रेलवे), पश्चिम रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई 400 008 आमंत्रित करता है- **क्रमांक** 1, **निविदा सूचना संख्या:** बीसीटी/25-26/249 दिनांक 17.10.2025 **कार्य और स्थान: मुंबई सेंट्रल बॉम्बार्सी** - बॉम्बार्सी में आंतरिक और बाह्य नवीनीकरण सहित हेरिटेज प्रकार के रूफ ट्रस की मरम्मत। **कार्य की अनुमानित लागत:** 2,45,58,086.44 **बयाना राशि:** 2,72,800/- **क्रमांक** 2, **निविदा सूचना संख्या:** बीसीटी/25-26/250 दिनांक 17.10.2025 **कार्य और स्थान:** मुंबई सेंट्रल - मुख्य स्टेशन पर सीओपी और दिव्यांगजन सुविधाओं के जंग लगे स्ट्रक्चर स्टील का सुधार। **कार्य की अनुमानित लागत:** 3,38,39,114.60/- **अग्रिम जमा राशि:** 3,19,200/- **दोनों निविदाएँ जमा करने की तिथि और समय:** 11.11.2025, 15.00 बजे तक। **दोनों निविदाएँ खोलने की तिथि और समय:** 11.11.2025 को 15.30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 0720

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

पार्सल एसएलआर/वीपी पट्टे पर देने के अनुबंध हेतु ई-नीलामी

मंडल रेल प्रबंधक (केंद्रीय) बीसीटी ने मुंबई मंडल से चलने वाली ट्रेनों में पार्सल एसएलआर पट्टे पर देने के अनुबंध हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की है।

अनुबंध का प्रकार: पार्सल, श्रेणी: पार्सल एसएलआर

नीलामी सूची क्रमांक	अनुबंध अवधि	लॉट नं0	ई-नीलामी की तिथि एवं समय
एमएमसीटी पीएलएस-25-64	8 Trip	09043-SLR-F1-BDTS-BNY 25-2	लॉट की ई-नीलामी 24.10.2025 को 12.00 बजे शुरू होगी। प्रारंभिक कूलिंग अवधि 30 मिनट है।
	7 Trip	09045-SLR-F1-UDN-PNBE 25-3	
	7 Trip	09045-SLR-R1-UDN-PNBE 25-3	
एमएमसीटी पीएलएस-25-65	7 Trip	09117-SLR-F1-UDN-SFG 25-1	लॉट की ई-नीलामी 27.10.2025 को 12.00 बजे शुरू होगी। प्रारंभिक कूलिंग अवधि 30 मिनट है।
	7 Trip	09117-SLR-R1-UDN-SFG 25-1	
	3 Years	21903-SLR-R1-BDTS-BKN 25-1	
	3 Years	21903-SLR-F1-BDTS-BKN 25-1	
एमएमसीटी पीएलएस-25-66	7 Trip	09059-SLR-F1-UDN-KUR 25-2	लॉट की ई-नीलामी 28.10.2025 को 12.00 बजे शुरू होगी। प्रारंभिक कूलिंग अवधि 30 मिनट है।
	7 Trip	09059-SLR-R1-UDN-KUR 25-2	
	7 Trip	09025-SLR-R1-BL-DNR-25 3	
	7 Trip	09025-SLR-F1-BL-DNR-25 2	
	3 Years	12471-SLR-R1-BDTS-SVDK 25-1	
एमएमसीटी पीएलएस-25-67	7 Trip	05560-SLR-F1-UDN-RXL 25-2	लॉट की ई-नीलामी 29.10.2025 को 12.00 बजे शुरू होगी। प्रारंभिक कूलिंग अवधि 30 मिनट है।
	7 Trip	05560-SLR-R1-UDN-RXL 25-1	
	7 Trip	09075-SLR-R1-MMCT-KGM-25-1	
	7 Trip	09075-SLR-F1-MMCT KGM-25-1	
	7 Trip	09031-SLR-R1-UDN-JYG 25-1	
	7 Trip	09031-SLR-F1-UDN-JYG 25-1	
	3 Trip	09622-SLR-R1-BDTS-AII 25-1	
	3 Years	19021-SLR-F1-UDN-BAM 25-1	
	3 Years	19021-SLR-R1-UDN-BAM 25-1	
	3 Years	22923-SLR-R1-BDTS-JAM 24-1	
एमएमसीटी पीएलएस-25-68	3 Months	20925-SLR-F2-ST-AMI-25-3	लॉट की ई-नीलामी 30.10.2025 को 12.00 बजे शुरू होगी। प्रारंभिक कूलिंग अवधि 30 मिनट है।
	3 Months	12480-SLR-R1-BDTS-JU-25 2	
	3 Months	02133-SLR-F2-BDTS-JBP 25-2	
	3 Months	02133-SLR-F1-BDTS-JBP 25-2	
	3 Months	21901-SLR-F1-BDTS-BME 25-2	
	3 Months	19011-SLR-R1-BL-DHD-25 2	
	3 Months	19011-SLR-F1-BL-DHD-25 2	
	3 Years	12227-SLR-R1-MMCT INDB-25-4	
	3 Years	12227-SLR-F1-MMCT INDB-25-4	

नोट: पार्सल एसएलआर/वीपी की ई-नीलामी के विवरण के लिए कृपया इस साइट पर जाएँ: www.ireps.gov.in
0714

Like us on: facebook.com/WesternRly | Follow us on: X.com/WesternRly

अष्टांबा यात्रा से लौट रहे भक्तों की गाड़ी खाई में गिरी, आठ श्रद्धालुओं की मौत और कई घायल

मुंबई। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में धनतेरस के दिन एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप वैन चंदशैली घाट पर अनियंत्रित होकर गहरी खाई में पलट गई। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि आठ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना ने पूरे जिले में शोक और दहशत का माहौल पैदा कर दिया है।

पुलिस के मुताबिक, हादसा उस वक्त हुआ जब श्रद्धालुओं का एक समूह पिकअप वैन से पवित्र अष्टांबा यात्रा से लौट रहा था। चंदशैली घाट के मोड़ पर ड्राइवर ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिससे वैन पलटकर खाई में जा गिरी। घाट का रास्ता संकरा और ढलान वाला था, जिसके कारण वाहन को संभालना मुश्किल हो गया। वाहन में लगभग 40 लोग सवार थे।

स्थानीय प्रशासन ने शुरू किया बचाव अभियान

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वाहन का पिछला हिस्सा सड़क पर ही गिर गया था जिससे कई यात्री उसमें फंस गए। घायल यात्रियों को तत्काल तालोदा उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कुछ की हालत नाजुक बनी हुई है। प्रशासन ने गंभीर रूप से घायल लोगों को नंदुरबार जिला अस्पताल रेफर किया है।

विधायक ने कहा- दुर्घटना दुखद

नंदुरबार के विधायक राजेश पाडवी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि चंदशैली घाट में अष्टांबा यात्रा से लौटते श्रद्धालुओं से भरा वाहन पलट गया। कई लोगों की मौत हो गई है और घायल यात्रियों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। राहत कार्य लगातार जारी है। उन्होंने बताया कि मृतकों के परिजनों को प्रशासन की ओर से सहायता दी जाएगी और शवों को पोस्टमॉर्टम के बाद उनके घर भेजा जा रहा है।

हादसे पर क्या बोली पुलिस?

पुलिस ने बताया कि हादसे की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी में वाहन की तेज रफ्तार और घाट के खतरनाक मोड़ को दुर्घटना की मुख्य वजह माना जा रहा है। स्थानीय लोगों ने कहा कि घाट पर सुरक्षा बैरियर और चेतावनी संकेतों की कमी से ऐसे हादसे बार-बार हो रहे हैं। प्रशासन ने भविष्य में इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही को लेकर सख्त नियम लागू करने की बात कही है।

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे
मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008

कार्य - मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करना।

नीलामी सूची क्रमांक			नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)	
MMCT-ADVT-25-48			07-11-25 15:00 hrs.	
अ. क्र.	लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	ADVT-EFF-176202-2-25-2 (Advertising - Train Exterior (Full Face))	पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल की गुजरात एक्सप्रेस (22953/54) और इसके लिंक रेक (19033/34 एवं 19035/36) के कोचों की बाहरी सतह पर 05 वर्ष की अवधि के लिए विज्ञापन का प्रदर्शन ।	1826	07.11.25 15:30 hrs.

संपर्क विवरण: - लैंडलाइन नंबर: - 02267644212, ईमेल आईडी: - acmadvtgbct@gmail.com
नोट: संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉटवार विवरण नीचे दिए गए कैटलॉग में उपलब्ध हैं।
0719

Like us on : facebook.com/WesternRly | Follow us on : twitter.com/WesternRly

ग्रामीण भूमिहीन लाभार्थियों को आवास लाभ में प्राथमिकता दी जानी चाहिए- मंत्री जयकुमार गोरे

मुख्यमंत्री समृद्धि पंचायत राज मिशन के अंतर्गत ग्रामीण आवास के अंतर्गत 72 हज़ार घर पूरे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मुख्यमंत्री समृद्धि पंचायत राज अभियान के अंतर्गत ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत घरों के निर्माण का कार्य बड़े पैमाने पर चल रहा है और इसके अंतर्गत 72 हज़ार 97 घर पूरे हो चुके हैं, यह बताते हुए उन्होंने कहा कि भूमिहीन लाभार्थियों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर घरों का लाभ दिया जाना चाहिए, साथ ही निम्नलिखित उद्देश्यों को भी तीव्र गति से पूरा किया जाना चाहिए। निर्देश ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री जयकुमार गोरे द्वारा दिए गए।

ग्रामीण आवास कार्यों के संबंध में मंत्रालय में आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री श्री गोरे ने संबंधितों को निर्देश दिए। बैठक में ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव एकनाथ दावले, ग्रामीण आवास निदेशक डॉ. राजाराम दिघे और ग्रामीण विकास विभाग के अन्य संबंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री समृद्धि पंचायत राज मिशन के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं की पहल में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। अभियान के माध्यम से: 2024-25 से पहले प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई)

चरण 1 और राज्य योजनाओं के तहत 17,859 घरों और 2024-25 तक कुल 72,097 घर पूरे हो चुके हैं, जिनमें पीएमएवाई-जी चरण 2 और 2024-25 के तहत 54,238 घर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग 30 लाख घरों पर काम प्रगति पर है और इस अवधि के दौरान 6,075 भूमिहीन लाभार्थियों को घर प्रदान किए गए हैं। ग्रामीण विकास विभाग प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) और मुख्यमंत्री समृद्धि पंचायत राज अभियान के माध्यम से राज्य के प्रत्येक पात्र लाभार्थी को एक स्थायी घर प्रदान करने के लक्ष्य की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है। इस बार, मुख्यमंत्री समृद्धि पंचायत राज अभियान के तहत ग्रामीण आवास योजनाओं के लिए राहुल गोरे ने प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और राज्य सरकार को धन्यवाद दिया। क्षेत्रीय स्तर पर कार्यरत सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की उनके सफल प्रदर्शन के लिए सराहना की गई।

मंत्री श्री गोरे ने कहा कि ग्रामीण महाराष्ट्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आवास निर्माण की गति बढ़ाई जानी चाहिए। लाभार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण से कार्य किया जाना चाहिए। भूमिहीन लाभार्थियों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। साथ ही, लाभार्थियों को मनरेगा के तहत मजदूरी का लाभ दिलाने के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए। पीएमएवाई-जी चरण 2 के तहत परिवारों को सौर ऊर्जा का लाभ प्रदान करने पर जोर दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही, मंत्री श्री गोरे ने संबंधित अधिकारियों को नवीन पहलों को लागू करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज मिशन के अंतर्गत ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत दिनांक 17 सितम्बर 2025 से 31 दिसम्बर 2025 तक प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण चरण एवं राज्य प्रायोजित योजनाओं को 1 अप्रैल 2025 से पूर्व क्रियान्वित किया जाना है तथा अभियान अवधि के दौरान नए आवासों का निर्माण पूर्ण करना, अभियान अवधि के दौरान सभी पात्र भूमिहीन लाभार्थियों, जिन्हें आवास हेतु स्वीकृत किया गया है, किन्तु जिनके पास भूमि नहीं है, को आवास उपलब्ध कराना, सभी स्वीकृत आवास लाभार्थियों को मनरेगा के अंतर्गत लाभ उपलब्ध कराना, तथा प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना/ अन्य योजनाओं के अंतर्गत चरण-2 में स्वीकृत सभी आवासों में सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करना, परियोजनावार उद्देश्य निर्धारित किए गए हैं।

न्महाराष्ट्र से वाद्य मंथन विषय पर ई-पुस्तकें सांस्कृतिक कार्य मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार द्वारा विमोचन

सांस्कृतिक कार्य निदेशालय के निदेशक विभीषण पक्षी द्वारा लिखित पुस्तक 'वाद्य मंथन' में महाराष्ट्र से 110 वाद्य यंत्रों की सचित्र जानकारी

मुंबई। 'महाराष्ट्र से' संगीत वाद्य यंत्र विषय पर आधारित 'वाद्य मंथन' 110 वाद्य यंत्रों के परामर्शक सचित्र पुस्तक का विमोचन सांस्कृतिक कार्य मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार द्वारा 'वाद्य मंथन' में किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र से वाद्य यंत्रों की जनता के लिए अलग पहचान बनेगी। इस बार सांस्कृतिक कार्य मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार द्वारा किया गया।

महाराष्ट्र सरकार सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा महाराष्ट्र से 75 वाद्य यंत्रों की प्रदर्शनी एवं प्रस्तुति कार्यक्रम पी. एल. देशपांडे द्वारा महाराष्ट्र कला अकादमी के प्रांगण में आयोजित किया गया। इस आयोजन के दौरान विभीषण पक्षी एक लिखित 'वाद्य मंथन' किया गया। ई-पुस्तक का विमोचन 'आओ' नामक वाद्य यंत्र का विमोचन किया गया। इस पुस्तक में महाराष्ट्र के 110 वाद्य यंत्रों की सचित्र पहचान है। वाद्य यंत्र किस प्रकार के होते हैं, कब बजाए जाते हैं, संरचना कैसी होती है, सांस्कृतिक उपयोग कैसे होते हैं, और ऊहापोह भी इसमें निहित है। इसमें कई वाद्य यंत्र शामिल हैं। लोकलुभावन लोगों में टिमकी, तिंगरी, डेरा, हैरोबाई किंगरी, डकलवार किंगरी, बिगुल, भेर, किलेटोंडा, तारपा, पगाई, घाटोली, घांगली, चोंगा, मंडल, मंदरी, पीरी, ढाक, दहाका, सुरसोटा, गडली, शिंग पेपा, तुरंबा, धुम्मस, द्वार, पावरी , डिमडी, गुदगुदी, घुमट, करताल, टप्पा, चितकुरी, घाटी, खैतल, रेला, तिंगरी, टिबुली, डोना, घोलकठी, तत्काललली, माडल, गुबुगुबू। ढोल, खलूबाजा, कहले, तुम्बाडी जैसे विशिष्ट संगीत वाद्ययंत्रों में संबल, सनाई, चौघड़ा, सुंदरी, विभिन्न प्रकार के ढोल, भोंगा, पिपानी, पिपेटी, पखावज, हलगी ताशा, चोंडके, ढिंगी, सारंगी, दुनदुन, तूर आदि शामिल हैं।

महाराष्ट्र कला और संस्कृति इन अनेक घटकों से युक्त अत्यंत विशिष्ट है। यह नए रूप में दर्शकों के सामने हवा में आता है, जैसे अभिकथन। आशीष शेलार द्वारा इस बार 'वाद्ययंत्र' मंथन या ई-पुस्तक का उपयोग विद्यार्थी, विद्वान, कलाकार और प्रशंसकों के लिए निश्चित रूप से ऐसी आस्था व्यक्त की जाएगी। इसके अलावा अब से महाराष्ट्र की दुर्लभ संस्कृति का दस्तावेजीकरण भी किया जाएगा। आशीष शेलार द्वारा यह दावा किया गया है।

पुस्तक के प्रकाशन के समय मंच पर वित्त एवं योजना विभाग के राज्य मंत्री अंग आशीष जायसवाल, सांस्कृतिक कार्य विभाग की सचिव डॉ. किरण कुलकर्णी, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल अमिताभ सिंह, निदेशक विभीषण चावरा, पुरातत्व विभाग के निदेशक डॉ. तेजस गर्गे, पी.एल. देशपांडे, महाराष्ट्र कला अकादमी की निदेशक मीनल जोगलेकर, संयुक्त निदेशक श्रीराम पांडे, तेजस्विनी आचरेकर और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

तीन ट्रेनों का व्यारा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए व्यारा स्टेशन पर तीन ट्रेनों का अतिरिक्त ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:- 1. 23 अक्टूबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09029 बांद्रा टर्मिनस-रीवा एक्सप्रेस (साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 09:38 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 09:40 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 24 अक्टूबर, 2025 को रीवा से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09030 रीवा-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस (साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 07:41 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 07:43 बजे प्रस्थान करेगी। 2. 25 अक्टूबर, 2025 को उधना से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09033 उधना-बरौनी एक्सप्रेस (द्वि-साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 21:03 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 21:05 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 27 अक्टूबर, 2025 को बरौनी से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09034 बरौनी-उधना एक्सप्रेस (द्वि-साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 17:56 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 17:58 बजे प्रस्थान करेगी।

3. 26 अक्टूबर, 2025 को उधना से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09069 उधना-समस्तीपुर एक्सप्रेस (साप्ताहिक) शुरू होकर व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 21:11 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 21:13 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 28 अक्टूबर, 2025 को समस्तीपुर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09070 समस्तीपुर-उधना एक्सप्रेस (साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 12:00 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 12:02 बजे प्रस्थान करेगी।

ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित तेईस जिलों के 33 लाख से अधिक किसानों को 3,258 करोड़ रुपये की सहायता राशि वितरित करने को मंजूरी- मकरंद जाधव-पाटिल

पिछले सात दिनों में लगभग पाँच हज़ार करोड़ रुपये की सहायता राशि

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राज्य में सितंबर 2025 में हुई भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित किसानों को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए सरकार संवेदनशीलता से काम कर रही है। प्रभावित किसानों को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए, 23 जिलों के 33 लाख 65 हज़ार 544 किसानों की 27 लाख 59 हज़ार 754.77 हेक्टेयर क्षेत्र में प्रभावित फसलों की सहायता के लिए 3,258 करोड़ 56 लाख 47 हज़ार रुपये की राशि आवंटित की गई है। राहत एवं पुनर्वास मंत्री मकरंद जाधव-पाटिल ने बताया कि इस संबंध में सरकारी निर्णय जारी कर दिया गया है।

राहत एवं पुनर्वास मंत्री श्री जाधव-पाटिल ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के मार्गदर्शन में राहत एवं पुनर्वास विभाग प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहा है। पिछले सात दिनों में लगभग पाँच हज़ार करोड़ रुपये की राशि वितरित करने के आदेश जारी किए गए हैं और अब तक इस वर्ष खरीफ सीजन में हुए नुकसान के लिए लगभग साढ़े सात हज़ार करोड़ रुपये की सहायता स्वीकृत की जा चुकी है। राहत एवं पुनर्वास मंत्री श्री जाधव पाटिल ने विश्वास व्यक्त किया है कि इस निर्णय से आपदा प्रभावित किसानों को राहत मिलेगी और उनका जीवन आसान होगा।

इस निधि में नागपुर संभाग में 3 लाख 76 हजार 968 किसानों के 3 लाख 44 हजार 629.34 हेक्टेयर प्रभावित क्षेत्र के लिए 340 करोड़ 90 लाख 8 हजार रुपये शामिल हैं। नागपुर - 1 लाख 2 हजार 850 किसानों के 85 हजार 641.88 हेक्टेयर के लिए 112 करोड़ 37 लाख रुपये। चंद्रपुर - 93 हजार 895 किसानों के 81 हजार 726.80 हेक्टेयर के लिए 69 करोड़ 46 लाख 86 हजार रुपये। वर्धा - 1 लाख 49 हजार 546 किसानों के 1 लाख 67 हजार 476.96 हेक्टेयर के लिए 142 करोड़ 40 लाख 11 हजार रुपये। भंडारा - 18 हजार 953 किसानों के 6 हजार 425.41 हेक्टेयर के लिए 10 करोड़ 48 लाख 36 हजार रुपये। गोंदिया- 6 हजार 398 किसानों की 2 हजार 309.46 हेक्टेयर भूमि के लिए 3 करोड़ 50 लाख 21 हजार रुपये। गढ़चिरौली- 5 हजार 326 किसानों की 1 हजार 48.83 हेक्टेयर भूमि के लिए 2 करोड़ 67 लाख 54 हजार रुपये।

इस निधि में अमरावती संभाग के 4 लाख 78 हजार 909 किसानों की 5 लाख 26 हजार 381.36 हेक्टेयर भूमि के प्रभावित क्षेत्र के लिए 463 करोड़ 8 लाख 30 हजार रुपये शामिल हैं। अकोला- 2 लाख 9 हजार 454 किसानों की 1 लाख 72 हजार 875.19 हेक्टेयर भूमि के लिए 162 करोड़ 95 लाख 34 हजार रुपये।

अमरावती- 48 हजार 71 किसानों की 45 हजार 882.74 हेक्टेयर भूमि के लिए 38 करोड़ 4 लाख 51 हजार रुपये। यवतमाल- दो लाख 21 हजार 384 किसानों के 7 हजार 623.43 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 3 लाख 262 करोड़ 8 लाख 45 हजार रुपये।

इस निधि में पुणे संभाग के 8 लाख 25 हजार 189 किसानों के 7 लाख 9 हजार 209.15 हेक्टेयर प्रभावित क्षेत्र के लिए 951 करोड़ 63 लाख 37 हजार रुपये शामिल हैं। सातारा- 3 हजार 388 किसानों के 1 हजार 562.67 हेक्टेयर के लिए 2 करोड़ 49 लाख 5 हजार रुपये। सोलापुर- 6 लाख 78 हजार 592 किसानों के 5 लाख 38 हजार 889.54 हेक्टेयर के लिए 772 करोड़ 36 लाख 45 हजार रुपये। पुणे- 52 हजार 789 किसानों के 21 हजार 951.94 हेक्टेयर के लिए 34 करोड़ 42 लाख 87 हजार रुपये। सांगली - 1 लाख 90 हजार 420 किसानों को 46 हजार 805 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 142 करोड़ 35 लाख रुपये।

इस निधि में नासिक संभाग के 15 लाख 79 हजार 239 किसानों के 11 लाख 50 हजार 301.76 हेक्टेयर प्रभावित क्षेत्र के लिए 1474 करोड़ 84 लाख 9 हजार रुपये शामिल हैं। नासिक - 4 लाख 9 हजार 474 किसानों के 2 लाख 88 हजार 806 हेक्टेयर प्रभावित क्षेत्र के लिए 317 करोड़ 15 लाख 77 हजार रुपये। धुले - 16 हजार 357 किसानों के 11 हजार 594.19 हेक्टेयर प्रभावित क्षेत्र के लिए 10 करोड़ 22 लाख 97 हजार रुपये।

नंदुरबार - 931 किसानों की 445.06 हेक्टेयर भूमि के लिए 53 लाख 99 हजार रुपये। जलगांव - 10 लाख रुपये। 3 लाख 25 हजार 359 किसानों की 2 लाख 47 हजार 262.01 हेक्टेयर भूमि के लिए 299 करोड़ 94 लाख 47 हजार रुपये। अहिल्यानगर - 8 लाख 27 हजार 118 किसानों की 6 लाख 2 हजार 194.50 हेक्टेयर भूमि के लिए 846 करोड़ 96 लाख 89 हजार रुपये।

मैट्रिमोनियल साइट पर पुलिस बनकर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, शादी का झांसा देकर बनाता था संबंध

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में मैट्रिमोनियल वेबसाइट और सोशल मीडिया पर खुद को पुलिस सब-इंस्पेक्टर बताकर महिलाओं और युवकों को ठगने वाले वैभव नारकर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. नारकर मूल रूप से रत्नागिरी का रहने वाला है और वह पहले भी धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार हो चुका है. जेल से रिहा होने के बाद उसने फिर से धोखाधड़ी शुरू कर दी.

पुलिस के अनुसार, नारकर ने अपनी फोटो में पुलिस की वर्दी पहनकर सोशल मीडिया और मैट्रिमोनियल वेबसाइटों पर फर्जी प्रोफाइल बनाई. उसने महिलाओं को पुलिस अधिकारी या सरकारी कर्मचारी होने का झांसा देकर विश्वास में लिया और आर्थिक, मानसिक तथा यौन रूप से ठगा.

नारकर ने चेंबूर की 33 वर्षीय महिला को प्रेम जाल में फंसाया. उसने उसे कोर्ट मैरिज का झांसा देकर यौन शोषण किया और उसके बाद एक स्कूटर, 2.5 लाख रुपये के सोने के गहने और 30,000 रुपये नकद ऐंठ लिए. इससे पहले सोलापुर की एक महिला को भी उसने इसी तरह ठगा. नारकर ने उस महिला से 'जीवनसाथी डॉट कॉम' पर शादी के लिए मिलने को कहा और कुछ दिनों बाद रिश्तेदार के एक्सीडेंट का झांसा देकर 63,000 रुपये की मांग की. बाद में महिला को पता चला कि वह पहले से ही शादीशुदा है.

नारकर ने खुद को मंत्रालय में एक वरिष्ठ अधिकारी का सहायक बताकर 100 से अधिक बेरोजगार युवकों को पुलिस या सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा दिया और उनसे पैसे ऐंठे. उसने यहां तक कि कुछ पुलिस वर्दी भी सिलवाई, जिससे उसकी नकली छवि और मजबूत हुई.

कई पीड़ितों ने शर्म और सामाजिक अपमान के डर से शिकायत दर्ज नहीं कराई. पुलिस ने बताया कि नारकर बार-बार धोखा देने वाला है और भावनात्मक और सामाजिक विश्वास हासिल करके लोगों को ठगता रहा है.

रत्नागिरी पुलिस ने नारकर को धोखाधड़ी और यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया. पुलिस ने बताया कि आरोपी जेल से रिहा होने के बाद भी अपनी धोखाधड़ी की प्रवृत्ति जारी रख रहा था और लोगों को लगातार आर्थिक और मानसिक नुकसान पहुंचा रहा था.

यह मामला डिजिटल प्लेटफॉर्म और मैट्रिमोनियल वेबसाइटों पर फर्जी प्रोफाइल और ऑनलाइन ठगी की गंभीर समस्या को उजागर करता है. पुलिस ने लोगों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या प्रोफाइल पर बिना पुष्टि भरोसा न करने की सलाह दी है.

मुंबई के मलाड में कई गोदामों में लगी भीषण आग, दमकल की गाड़ियां मौके पर मौजूद

मुंबई के मलाड (पूर्व) स्थित पठानवाडी, संजय नगर, पिंप्रीपाड़ा इलाके में शनिवार (18 अक्टूबर) को दोपहर आग लगने की घटना सामने आई. यह घटना दोपहर 12:54 बजे बीएमसी की अग्निशमन विभाग को रिपोर्ट की गई. मिली जानकारी के अनुसार, आग लगभग 15 से 20 गालों (गोदामों) तक सीमित रही. घटना की सूचना मिलते ही बीएमसी का अग्निशमन विभाग, पुलिस, बीएमसी के वार्ड अधिकारी, 108 एम्बुलेंस और अदाणी इलेक्ट्रिसिटी की टीमें मौके पर पहुंचीं.

आग की इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नही है. अग्निशमन विभाग ने दोपहर 1:03 बजे आग को लेवल-2 घोषित किया. हालांकि, राहत की बात यह है कि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है. फिलहाल आग पर काबू पाने का काम जारी है और अधिकारी घटना के कारणों की जांच में जुटे हैं.

नवी मुंबई में कांच का सामान बनाने वाले कारखाने में आग

इससे पहले शुक्रवार को नवी मुंबई में मोमबत्तियां और कांच का सामान बनाने वाले कारखाने में आग लग गई थी. महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) क्षेत्र में स्थित इस कारखाने में देर रात करीब सवा दो बजे आग लगी जिसमें कोई घायल नहीं हुआ है.

अधिकारी ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलने के बाद नवी मुंबई नगर निकाय की दमकल सेवाओं ने घटनास्थल पर 6 दमकल गाड़ियां तुरंत भेजीं और शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे आग पर काबू पाया गया. आग लगने की वजह का पता नहीं चला पाया था.

अंधेरी में दो मंजिला कमर्शियल परिसर में आग

इसके साथ ही मुंबई के अंधेरी पूर्व इलाके में भी शुक्रवार को दो मंजिला एक कमर्शियल परिसर में आग लग गई थी. इस घटना में एक इलेक्ट्रिक कार और तीन मोटरसाइकिल जलकर खाक हो गईं. दमकल विभाग के कर्मचारियों को इस आग को बुझाने में छह घंटे से अधिक का समय लग गया था. काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया.

नंदुरबार जिले के तलोदा तालुका में हुई दुर्घटना दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद है। - उपमुख्यमंत्री अजीत पवार

दुर्घटना में घायलों को सभी आवश्यक चिकित्सा सहायता और उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश

मुंबई, 18 नवंबरः नंदुरबार जिले के तलोदा तालुका के चांदशैली घाट में एक पिकअप ट्रक के पलटने से हुई दुर्घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद है। इस दुर्घटना में घायलों को तत्काल उपचार और पीड़ितों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। मैं इस दुर्घटना में दिवंगत माताओं और बहनों को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। सरकार इस कठिन समय में उनके साथ मजबूती से खड़ी है, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा।

अपने संदेश में, अजीत पवार ने कहा कि दुर्घटना के बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुँची। उन्होंने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। पुलिस ने घायलों को पिकअप वैन से बाहर निकाला और उन्हें इलाज के लिए भेज दिया। कुछ घायलों की हालत गंभीर है और उन्हें तलोदा उप-ज़िला अस्पताल से इलाज के लिए नंदुरबार ज़िला अस्पताल भेज दिया गया है। संबंधित अधिकारियों को घायलों को सभी आवश्यक चिकित्सा सहायता और उपचार प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि राज्य सरकार इस कठिन समय में दुर्घटना पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ खड़ी है।

'महाराष्ट्र का उत्सव, खाद्य सुरक्षा का संकल्प' विशेष निरीक्षण अभियान के अंतर्गत राज्य में 3,485 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण

मुंबई। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग राज्य में 'सं महाराष्ट्रा, संकल्प अन्न सुरक्षातेचा' नामक एक विशेष निरीक्षण अभियान चला रहा है। इस अभियान के अंतर्गत 12 अक्टूबर, 2025 तक राज्य में 3,485 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दूध, खावा/मावा, खाद्य तेल, घी, मिठाइयाँ, सूखे मेवे, चॉकलेट, भगवा और अन्य खाद्य पदार्थों के कुल 4,676 नमूने विश्लेषण के लिए लिए गए। इस निरीक्षण में अनियमितताएँ पाए जाने वाले 1,431 प्रतिष्ठानों को सुधार नोटिस दिए गए हैं और 48 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं, जबकि एक प्रतिष्ठान का लाइसेंस रद्द कर दिया गया है, खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जानकारी दी है।

जनता को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से, त्योहारी सीजन के दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने हेतु खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री नरहरि जिरवाल, राज्य मंत्री योगेश कदम, सचिव धीरज कुमार और आयुक्त राजेश नार्वेकर के मार्गदर्शन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभागों के माध्यम से राज्य में 'सं महाराष्ट्र, संकल्प अन्न सुरक्षा' नामक विशेष निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 11 अगस्त 2025 से 25 अक्टूबर 2025 तक चलाया जा रहा है।

सम्पादकीय

खुशियों की दिवालीः मन के अंधकार को दूर भगाने का समय

दिवाली वर्ष का एक ऐसा त्योहार है जो न केवल अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है, बल्कि मानवता के भीतर के अंधकार को दूर करके आध्यात्मिक प्रकाश जगाने का संदेश भी देता है। यह वह दिन है जब लोग अपने घरों को सजाते हैं, दीप जलाते हैं, नए कपड़े पहनते हैं और मिठाइयाँ बाँटते हैं। लेकिन क्या हमने कभी सोचा है कि क्या असली दिवाली सिर्फ़ घर की सफाई और रोशनी से ही पूरी होती है? क्या वह अंधकार, जिसे मिटाने के लिए यह त्योहार मनाया जाता है, सचमुच सिर्फ़ दीवारों और आँगन में ही मौजूद है, या वह हमारे मन और व्यवहार में भी कहीं छिपा है?

आज का समाज बाहरी चमक-दमक में इतना डूबा हुआ है कि आंतरिक प्रकाश मंद होता जा रहा है। दिवाली अब अक्सर दिखावे, खर्च और प्रतिस्पर्धा का उत्सव बनती जा रही है। लोग इस दिन अपने घरों को हज़ारों दीयों से सजाते हैं, लेकिन अपने दिलों की गहराइयों में छिपे अंधकार–ईर्ष्या, अहंकार, द्वेष और असहिष्णुता–को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। इस त्योहार का असली उद्देश्य आत्मनिरीक्षण करना, रिश्तों को संवारना और अपने चारों ओर प्रेम का प्रकाश फैलाना था। लेकिन आज यह भावना बाज़ार और भौतिकवाद के शोर में खोती जा रही है।

दिवाली न केवल लक्ष्मी के आगमन का, बल्कि आत्मनिरीक्षण का भी समय है। जब हम अपने घरों के हर कोने से धूल झाड़ते हैं, तो हमें अपने दिलों से भी धूल झाड़नी चाहिए–पुराने गिले-शिकवे, मतभेद, कड़वाहट और तनाव। हर दीया हमें याद दिलाता है कि अंधकार को दूर करने के लिए एक दीया ही काफी है, बशर्ते उसे सच्चे मन से जलाया जाए। परिवार में एक हल्की सी मुस्कान, क्षमा का भाव, एक प्यार भरी बातचीत–ये वो दीये हैं जो रिश्तों के कोनों को रोशन

करते हैं।

आज के दौर में, यह त्यौहार मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत महत्व रखता है। भागदौड़ भरी ज़िंदगी, सामाजिक दबाव, काम का तनाव और डिजिटल दुनिया की भागदौड़ लोगों को अंदर से खालीपन का एहसास करा रही है। हमने त्योहारों को भी 'इवेंट' में बदल दिया है–फोटोशूट, सोशल मीडिया पोस्ट और महंगे उपहारों की परंपरा ने उनकी भावना को कमज़ोर कर दिया है। हमें याद रखना चाहिए कि दिवाली का आनंद सिर्फ़ बाहरी सजावट में नहीं, बल्कि उस मानसिक शांति में है जो हमें अपनेपन, संवाद और आत्मीयता से मिलती है।

आज के बच्चे और युवा पटाखों की चमक में खुशी पाते हैं। लेकिन क्या हमें अपनी खुशी के लिए पर्यावरण को प्रदूषित करने का हक़ है? धुएँ से भरी और शोरगुल भरी हवा में साँस लेने वाला हर जीव, हर बच्चा और हर बुज़ुर्ग, इस खुशी की कीमत चुका रहा है। सच्चा आनंद तब होता है जब हमारे दीये किसी को नुकसान न पहुँचाएँ। जब हम धरती माँ के प्रति उतने ही संवेदनशील हों जितने अपने घरों के प्रति। पर्यावरण-अनुकूल दिवाली मनाना अब सिर्फ़ एक विकल्प नहीं, बल्कि एक ज़िम्मेदारी है। हम मिट्टी के दीयों, प्राकृतिक रंगों से सजावट और स्थानीय उत्पादों का उपयोग करके इस त्योहार को खूबसूरत बना सकते हैं–और यह सुंदरता कृत्रिम रोशनी से कहीं ज़्यादा स्थायी है।

दिवाली के अवसर पर, एक और अंधकार को दूर करने की ज़रूरत है–अकेलेपन और मानसिक बेचैनी का। त्योहारों का मौसम कई लोगों के लिए जश्न का समय होता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह यादों और दुखों का भी समय होता है। जो लोग दूर हैं, जिन्होंने किसी प्रियजन को खो दिया है, या जो आर्थिक और सामाजिक संघर्षों से जूझ रहे हैं–उनके लिए यह रोशनी अक्सर चुभ सकती है। समाज का यह कर्तव्य है कि वह अपने आसपास के लोगों को इस रोशनी में शामिल करे। दिवाली का असली अर्थ तभी साकार होगा जब हमारे दीयों से किसी के घर का अंधेरा दूर होगा। हमारे शास्त्र कहते हैं, 'तमसो मा ज्योतिर्गमय'–अर्थात, 'हमें अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ना चाहिए।' यह प्रकाश केवल एक दीपक का नहीं, बल्कि ज्ञान, बुद्धि और करुणा का है। जब हृदय में करुणा का प्रकाश जलता है, तो वह हज़ारों दीपों से भी ज़्यादा प्रकाश बिखेरता है। दिवाली हमें सिखाती है कि जीवन में प्रकाश फैलाना सिर्फ़ दीप जलाने से नहीं, बल्कि दया, सत्य और प्रेम के मार्ग पर चलने से है।

त्योहार सिर्फ़ परंपराओं का पालन करने के बारे में नहीं हैं। ये हमें रुककर अपनी यात्रा पर विचार करने का अवसर देते हैं। दिवाली हमें याद दिलाती है कि बाहर का प्रकाश तभी स्थायी होता है जब भीतर भी प्रकाश हो। जब हम अपने भीतर के राम को जगाते हैं और अहंकार, घृणा और लोभ के रावणों को जलाते हैं, तभी सच्ची दिवाली मनाई जाती है।

आज के समय में, यह भी ज़रूरी है कि हम दिवाली को 'समावेशीपन का त्योहार' बनाएँ। सामाजिक विभाजन, जाति और धार्मिक मतभेद, और आर्थिक असमानता की दीवारें–ये हमारे युग का अंधकार हैं। अगर हर व्यक्ति थोड़ा सा भी प्रकाश फैला सके,

चेतना के निर्माण का कार्य करती है शिक्षा परीक्षा में नवाचार के समांतर चुनौतियां

परीक्षा के मानकों और जटिलताओं के मसले पर पिछले लंबे समय से बहस होती रही है। इसमें यह सवाल भी उठता रहा है कि क्या हमारी मौजूदा परीक्षा प्रणाली किसी विद्यार्थी के भीतर की संभावनाओं और क्षमता का आकलन कर पाने में पूरी तरह सक्षम होती है। परीक्षा क्यों ली जाती है? इसका मापदंड क्या सिर्फ पढ़े हुए विषय का आकलन भर है? अगर हम भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति में परीक्षा से जुड़े तथ्यों को ध्यान से पढ़ें तो पता चलता है कि परीक्षा सिर्फ विषय ज्ञान का मूल्यांकन करना मात्र नहीं होती।

परीक्षा शिक्षा पाने के क्रम में व्यक्तित्व के विकास के आकलन का एक माध्यम भी है। तब शिक्षक परीक्षा के दौरान सिर्फ विषयों की जानकारी आधारित आकलन नहीं करते थे। वे इस बात का भी मूल्यांकन करते थे कि उनके शिष्य का विवेक किस स्तर का है और किसी भी परिस्थिति में बौद्धिक, व्यावहारिक एवं नैतिक रूप से विश्लेषण करने की उनकी क्षमता कितनी है। परीक्षा के माध्यम से वे शिष्य को हर कसौटी पर जांचते-परखते थे और यह भी देखते थे कि उनकी चेतना में किन गुणों का कितना विकास हो पाया है।

मूल रूप से शिक्षा चेतना के निर्माण का कार्य करती है। तभी आज भी हम अक्सर जगह-जगह लिखा पाते हैं- 'सा विद्या या विमुक्तये', अर्थात् वह विद्या, जो मुक्त होने का रास्ता दिखाए। कोई भी विद्या तभी यह मार्ग दिखा पाएगी, जब वह चेतना में परिवर्तन का काम करे। और चेतना उर्ध्वगामी तब बनती है, यानी चेतना का विकास तब होता है, जब कल्पनाशीलता, विश्लेषण करने की क्षमता, ज्ञानेंद्रियों का विकास, विवेक और संवेदनशीलता का विकास छात्र के भीतर हो। शायद इसलिए हमें प्राचीन इतिहास में होने वाली परीक्षाओं

का संबंध जीवन के व्यावहारिक ज्ञान में मिलता है। अब चाहे वह विज्ञान, गणित या फिर सामाजिक ज्ञान हो, या पारंपरिक हुनर का ज्ञान हो। वास्तव में यह एक तरह से खुली किताब वाली ही परीक्षा थी, जहां जीवन को एक किताब के रूप में खोल कर उत्तर देने की अनुमति थी। तब ज्ञान बंद किताब तक सीमित नहीं था, बल्कि किताबों का ज्ञान जीवन की ओर उन्मुख था।

साधारण अर्थों में खुली किताब वाली परीक्षा का मतलब है- वैसी परीक्षा जहां छात्र किताबें खोल कर उत्तर लिखने को स्वतंत्र हों, उसे नकल नहीं माना जाएगा। एक संदर्भ के साथ इस पर बात की जा सकती है। दिल्ली के एक विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर की प्रथम परीक्षा में एक प्राध्यापक ने 'ओपन बुक एग्जाम' रखा, यानी खुली किताब वाली परीक्षा। उसमें एक विषय के पहले सत्र की पहली परीक्षा में छात्रों को प्रश्न देते हुए कहा गया कि आप स्वतंत्र हैं, किसी भी किताब को खोल कर प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं।

प्रश्न मुश्किल से छह रहे होंगे और उनमें से छात्रों को सिर्फ दो या तीन प्रश्न हल करने थे। छात्रों ने प्रश्न देखा और किताबें खोलने लगे। प्राध्यापक मुस्कुरा रहे थे, छात्रों को किताबों में झांकते हुए देख कर। छोटे शहरों से आए छात्र-छात्राओं के लिए खुली किताब वाली परीक्षा देने का यह प्रथम अवसर था। इससे पहले खुली किताब वाली परीक्षा मतलब नकल, यही जाना और सुना गया था। परीक्षा में सवाल ऐसे थे कि उनका उत्तर सिर्फ किताबों से देख कर नहीं उतारा जा सकता था। उसके लिए विवेक, कल्पनाशीलता और विश्लेषण करने की क्षमता की आवश्यकता थी।

आज जिस तरह की परीक्षाएं होती हैं, उनमें विश्लेषण का शायद ही कोई स्थान होता है, वह सिर्फ तथ्य आधारित होती हैं। पिछले दिनों सीबीएसई ने एक महत्त्वपूर्ण फैसला किया, जिसमें शैक्षणिक सत्र 2026-27 से नौवीं कक्षा का 'ओपन बुक एग्जाम' यानी खुली किताब वाली परीक्षा होगी। शिक्षा प्रणाली में सुधार की दिशा में यह एक बड़ा कदम हो सकता है। मगर यह तभी संभव होगा, जब उस विधि से पढ़ाने की पर्याप्त तैयारी होगी और इसके लिए शिक्षकों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाशीलता और विवेक का इस्तेमाल करने की स्वतंत्रता होगी। पढ़ने और पढ़ाने का ऐसा तरीका हो, जहां विद्यार्थी के विश्लेषण, आलोचनात्मक दृष्टि एवं सोच की शक्ति को दबाया न जाए, बल्कि विकसित किया जाए। प्रश्न के रटे-रटाये उत्तर नहीं देने पर अनुत्तीर्ण हो जाने का डर विद्यार्थी को न सताए।

दूसरी महत्त्वपूर्ण बात यह है कि अगर शिक्षक 'ओपन बुक एग्जाम' की कला को जानता ही न हो, या उसके मर्म को समझता ही न हो, तो इस परीक्षा की जो विशेषता है, वह मर जाएगी और उसका उल्टा असर होगा। खुली किताब वाली परीक्षा में ऐसे प्रश्न दिए जाते हैं, जिसका उत्तर किसी किताब या नोट बुक से सीधे नहीं उतारा जा सकता। इसके लिए विद्यार्थियों को पढ़े विषय की जानकारी का इस्तेमाल अपने विवेक से करते हुए उसे ज्ञान में तब्दील कर उत्तर लिखना होता है। कोई भी शिक्षा जब विवेक, बुद्धि और कल्पना के साथ व्यवहार में लाई जाती है, तो वह ज्ञान में परिवर्तित हो जाती है। खुली किताब वाली परीक्षा इसका एक माध्यम हो सकती है। वास्तव में शिक्षा में जब संवाद का स्थान बने, तभी खुली किताब वाली परीक्षा का कोई मतलब बनता है।

एक शिक्षक जब संवाद स्थापित करने में सफल होता है, तो सीधे-सीधे रटी-रटाई पद्धति पर प्रश्न पूछना कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी के योगदान का वर्णन करें, इसके बजाय यह पूछा जाना महत्त्वपूर्ण है कि आज के समय में अगर महात्मा गांधी होते तो वे किस तरह के बदलाव का प्रयास करते। इस प्रश्न का उत्तर देते हुए एक विद्यार्थी न सिर्फ महात्मा गांधी के काम का विश्लेषण करने में सक्षम होता, बल्कि वह देश की वर्तमान स्थिति को भी समझने का प्रयास करता और उसके भीतर वर्तमान में महात्मा गांधी की प्रासंगिकता के महत्त्व की समझ भी विकसित होती। साथ उसके भीतर एक नागरिक होने की जिम्मेदारी का बोध भी आता। जहां तक खुली किताब वाली परीक्षा का संदर्भ है, तो अगर इस प्रश्न का उत्तर देना हो कि 'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी के योगदान का वर्णन करें', तो खुली किताब से विद्यार्थी हूबहू उत्तर उतार सकता है और वह नकल ही कहलाएगी।

ऐसे में हमें यह तय करना होगा कि हम बच्चों में नकल या कापी करने की योग्यता का विकास करना चाहते हैं या फिर विश्लेषण, अवलोकन, कल्पनाशीलता, आलोचनात्मक विश्लेषण की क्षमता और विवेक का विकास चाहते हैं। इसमें दोराय नहीं कि नौवीं कक्षा में खुली किताब वाली परीक्षा की पहल शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम साबित हो सकता है, लेकिन इसके लिए हर स्तर पर व्यापक तैयारी की जरूरत है। पठन-पाठन से लेकर शिक्षकों और विद्यार्थियों को इसके लिए नए तरीके से तैयार करना होगा। किताबी ज्ञान के साथ-साथ विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास को केंद्र में रखना होगा। शिक्षकों को भी इसके लिए प्रशिक्षित करने की जरूरत है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो यह विद्यार्थियों को नकलची बनाने या किताब की प्रतिलिपि निकालने वाली मशीन की तरह बनाने जैसा ही होगा।

धनतेरसः समृद्धि का नहीं, करुणा का उत्सव

डॉ. सत्यवान सौरभ

धनतेरस का ज़िक्र होते ही मन में दीयों की जगमगाहट, सोने-चाँदी की चमक, बाज़ारों की रौनक और पूजा की तैयारियों में जुटे घरों की तस्वीरें उभर आती हैं। यह दिन न केवल खरीदारी का त्योहार है, बल्कि भारतीय संस्कृति के गहरे दर्शन का भी प्रतीक है। यह वह दिन है जब लोग मानते हैं कि देवी लक्ष्मी घरों में पधारेंगी, उन्हें समृद्धि का आशीर्वाद देंगी और दुर्भाग्य के अंधकार को दूर करेंगी। लेकिन अगर हम इस त्योहार के पीछे के दर्शन को गहराई से समझें, तो हम पाते हैं कि धनतेरस केवल सोना-चाँदी खरीदने के बारे में नहीं है, बल्कि धन के सही अर्थ को समझने के बारे में है।

'धन' शब्द संस्कृत के 'धन' शब्द से बना है, जिसका अर्थ केवल धन या पैसा नहीं, बल्कि समृद्धि, खुशी और संतोष का संगम है। प्राचीन ग्रंथों में, धनतेरस को 'धनत्रयोदशी' कहा जाता है - धन और स्वास्थ्य दोनों की कामना का दिन। इस दिन, भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन से अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे और मानवता को आरोग्य का वरदान दिया था। इसीलिए इस दिन को आयुर्वेद दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। जहाँ दुनिया धन को केवल भौतिक संपत्ति मानती है, वहीं भारतीय दर्शन इसे तन, मन और आत्मा की समृद्धि मानता है।

इन दिनों धनतेरस में काफी बदलाव आया है। पहले यह दिन दीये जलाने, घर की सफाई करने और देवी-देवताओं की पूजा करने का दिन हुआ करता था, वहीं अब यह शॉपिंग मॉल और ऑनलाइन सेल का प्रतीक बन गया है। जैसे-जैसे धनतेरस नज़दीक आता है, लोग सोना, चाँदी, कार, बाइक, रेफ्रिजरेटर, टीवी और मोबाइल फ़ोन–सब कुछ खरीदने के लिए दौड़ पड़ते हैं। लेकिन क्या यही असली 'धन' है? क्या महँगी चीज़ें खरीदने मात्र से हम सचमुच समृद्ध हो जाते हैं? शायद नहीं। सच्ची समृद्धि उस हृदय में निहित है जो संतोष जानता है, उस घर में जहाँ प्रेम की दीवारें मज़बूत हैं, और उस समाज में जहाँ सभी के पास भोजन, वस्त्र और सम्मान है।

धनतेरस हमें धन का उपयोग करना भी सिखाता है। चूँकि धन का संबंध भगवान धन्वंतरि से है, इसलिए इसका अर्थ यह भी है कि धन का उपयोग स्वास्थ्य और जीवन रक्षा के लिए किया जाना चाहिए, न कि दिखावे और अनावश्यक विलासिता के लिए। लेकिन आज की हकीकत यह है कि लोग धनतेरस पर नई चीज़ें खरीदने के लिए कर्ज़ भी लेते हैं। एक ऐसा त्योहार जो एक खुशी का अवसर होना चाहिए, वह तनाव और तुलना का माध्यम बन जाता है। सोशल मीडिया पर ये तुलनाएँ–कौन कितना खरीद रहा है, किसने कौन सी कार खरीदी–हमें अंदर से खोखला कर देती हैं। सच्ची पूजा तब होती है जब हम अपने जीवन में संतुलन और संयम को अपनाते हैं।

एक समय था जब लोग धनतेरस पर मिट्टी के दीये और तांबे या पीतल के बर्तन खरीदते थे। यह परंपरा केवल प्रतीकात्मक ही नहीं थी, बल्कि इसका वैज्ञानिक और सांस्कृतिक महत्व भी था। मिट्टी के दीये अंधकार दूर करने का प्रतीक थे, और धातु के बर्तन स्वास्थ्य और सकारात्मक ऊर्जा के प्रतीक थे। लेकिन अब इन बर्तनों की जगह चमकदार चीनी लाइटों और प्लास्टिक की सजावटी वस्तुओं ने ले ली है। जहाँ कभी घरों की दीवारें 'शुभ लाभ' (गुड लक) से सजी होती थीं, वहीं अब 'डिस्काउंट' और 'कैशबैक' के विज्ञापन वाले बोर्ड चमक रहे हैं। यह परिवर्तन केवल बाहरी ही नहीं, बल्कि हमारे आंतरिक मूल्यों में भी है।

धनतेरस का एक और गहरा संदेश है–धन और धर्म के बीच संतुलन। अधर्म से अर्जित धन कभी सुख नहीं ला सकता। महाभारत में कहा गया है, 'धनं धर्मेन संचयेत्', अर्थात, 'धर्म के मार्ग से धन अर्जित करो।' आज, जब समाज में भ्रष्टाचार, लोभ और अनैतिक कमाई बढ़ रही है, धनतेरस हमें याद दिलाता है कि सच्ची पूजा सोने के दीपक से नहीं, बल्कि ईमानदारी और कड़ी मेहनत से अर्जित धन से की जाती है। जब हम इस दिन दीपक जलाते हैं, तो यह न केवल बाहर के अंधकार को दूर करता है, बल्कि भीतर के लोभ, ईर्ष्या और मोह के अंधकार को दूर करने का संदेश भी देता है।

इस त्योहार का एक आयुर्वेदिक और वैज्ञानिक पहलू भी है। कार्तिक मास की तेरस को मौसम बदलता है, सर्दी शुरू होती है और शरीर बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाता है। इस समय भगवान धन्वंतरि की पूजा करना हमारे स्वास्थ्य का ध्यान रखने के महत्व का प्रतीक है। धनतेरस न केवल धन प्राप्ति का प्रतीक है, बल्कि दीर्घायु, स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन का भी प्रतीक है। शरीर के स्वस्थ रहने पर ही जीवन में सच्ची खुशी और समृद्धि आती है।

क्लिक, कैमरा और क्रैश - अब रील के बिना जीवन अधूरा; गांव, शहर, कस्बा और महानगर सब ऑनलाइन

पिछले कुछ वर्षों से यह साफ देखा जा सकता है कि स्मार्टफोन का किस स्तर पर विस्तार हुआ है और युवाओं के बीच इसका उपयोग किस कदर बढ़ गया है। ऐसे उदाहरण आसानी से मिल जाएंगे, जिसमें युवा पढ़ाई और किसी नियमित रोजगार का मार्ग चुनने के बजाय 'रील' बना कर सोशल मीडिया पर प्रसारित कर उससे कमाई के रास्ते तलाश रहे हैं। यह अब लाखों युवाओं की हकीकत बन चुकी है।

आज सोशल मीडिया के इस दौर में 'रील' केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि यह पैसा और शोहरत कमाने का माध्यम बन चुका है। यह मानसिकता पढ़े-लिखे युवाओं से लेकर आम गृहिणियों, कामकाजी महिलाओं और ट्रक चालकों से लेकर घर-घर सामान पहुंचाने वालों तक फैल चुकी है। कभी मनोरंजन के लिए शुरू हुई यह डिजिटल संस्कृति अब युवाओं के जीवन में वास्तविक और आभासी दुनिया के बीच की सीमाओं को धुंधला कर रही है। गांव, शहर, कस्बा और महानगर हर जगह युवा कैमरे के सामने अभिनय करते, सड़कों पर नाचते या खतरनाक करतब करते दिखाई देते हैं। इस क्रम में वे अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डालने से भी नहीं चूकते हैं।

पहले युवा वर्ग डाक्टर, इंजीनियर, अधिकारी, लेखक, सैनिक या खिलाड़ी आदि बनने का सपना देखता था। कुछ युवा फिल्मों से प्रभावित होकर अभिनय की दुनिया में कदम रखने के लिए वर्षों के कठिन परिश्रम के बाद अपना स्थान मुश्किल से बना पाते थे। मगर आज का युवा परिश्रम के बजाय 'इन्फ्लुएंसर' (समाज में अपना प्रभाव बनाने वाला) बनना चाहता है।

अब लक्ष्य ज्ञान या कौशल नहीं, बल्कि लोकप्रियता हासिल करना और थोड़े समय में दौलतमंद बन जाना है। यह संस्कृति एक नई मानसिकता को जन्म दे रही है, जो सामाजिक विकृति का कारण भी बन रही है। 'रील' बनाना अब कला नहीं, बल्कि एक प्रतिस्पर्धा है।

समाज में सहयोग की जगह तुलना और प्रतियोगिता ने ले ली है, जहां हर कोई दूसरों से अधिक लोकप्रियता पाने के लिए कुछ भी करने को तैयार है। कोई चलती ट्रेन के पास नृत्य करता है, कोई पुल से कूदता है, कोई सड़क पर करतब दिखाता है, तो कोई सामाजिक मर्यादाओं को ताक पर रख कर सोशल मीडिया के लिए सामग्री तैयार करता है। इससे कई तरह की मानसिक और सामाजिक विकृतियां भी पैदा हो रही हैं, जो कई बार हत्या या आत्महत्या जैसी आपराधिक घटनाओं के रूप में सामने आती है। युवा सोचते हैं कि यदि उन्होंने कुछ अनोखा किया, चाहे उसमें जान का जोखिम क्यों न हो, उससे उन्हें प्रसिद्धि मिलेगी। मगर कई बार इसकी कीमत जान गंवा कर चुकानी पड़ती है।

देश में रेल मार्ग के पास इस तरह के वीडियो बनाते हुए कितने लोगों की जान जा चुकी है, इसका कोई निश्चित आंकड़ा नहीं है। मगर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और नागपुर मंडल के एक अनुमान के मुताबिक, वर्ष 2025 के शुरुआती पांच महीनों में सत्तानबे लोग ट्रेन से कट कर मारे गए, जो 'रील' बनाने की कोशिश कर रहे थे।

अमेरिका की 'बार्बर ला फर्म' की रपट के अनुसार, दुनिया भर में सेल्फी लेते समय मौत की घटनाओं में से 42.1 फीसद घटनाएं भारत में हुई हैं। ये महज हादसे नहीं, बल्कि उस समाज की त्रासदी है, जिसने वास्तविक जीवन के बजाय आभासी छवि को अधिक मूल्यवान बना दिया है। युवाओं में बढ़ती यह प्रवृत्ति उन्हें वास्तविक संवाद, पढ़ाई, संबंध और सामाजिक जिम्मेदारी से दूर ले जा रही है।

इस संस्कृति का एक और खतरनाक पहलू अभद्रता और हिंसा का महिमामंडन है। आज सोशल मीडिया पर मौजूद अधिकांश सामग्री सामाजिक शालीनता की सीमाओं को लांघ चुकी है। विडंबना यह है कि इस तरह की सामग्री को दर्शक भी पसंद करने लगे हैं। किसी समाज की सभ्यता का आकलन इस बात से भी किया जाता है कि वह अपने युवाओं को किस दिशा में प्रेरित करता है। जब युवाओं की ऊर्जा ऐसी सामग्री तैयार करने में लग रही है, तो यह सामाजिक पतन का स्पष्ट संकेत है। आज कोई यह नहीं पूछता कि हमारी शिक्षा और पारिवारिक व्यवस्था इतनी असफल क्यों हो गई कि युवा अपनी पहचान सिर्फ कैमरे में खोजने लगा है।

आभासी दुनिया से जुड़ी इस संस्कृति ने न केवल युवाओं की ऊर्जा को भटकाया है, बल्कि समाज की नैतिकता को भी चोट पहुंचाई है। सड़क दुर्घटनाओं के दौरान मदद करने के बजाय लोग अब मोबाइल निकाल कर वीडियो बनाते हैं, क्योंकि इस तरह की सामग्री के प्रसार का लोभ मानवता से बड़ा हो गया है। अब मानवीय संवेदनाओं की जगह प्रसिद्धि का आकर्षण साफ दिखाई देता है। बच्चों के साथ माता-पिता के संवाद और मित्रता का स्थान अब स्क्रीन ने ले लिया है। यही कारण है कि मोबाइल बच्चों का शिक्षक, मित्र और आदर्श बनता जा रहा है।

दुखद यह है कि इस बदलती मानसिकता के बीच परिवार, शिक्षक और समाज मौन हैं। समाचार माध्यम भी सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित होने वाली सामग्री को खबर के रूप में परोसते हैं, जिससे युवाओं के बीच इस तरह की सामग्री बनाने की होड़ और तेज हो जाती है।

वीडियो के जरिए 'रील' की फलती-फूलती संस्कृति सिर्फ सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि आर्थिक तंत्र का हिस्सा भी है। लोग सोशल मीडिया पर सामग्री डाल कर पैसा कमाना चाहते हैं। इसलिए वे वही सामग्री आगे बढ़ाते हैं, जो अधिक लोगों को आकर्षित करे, चाहे वह कितना भी सतही, हिंसक या अपमानजनक या अभद्र क्यों न हो। युवाओं को शायद ही इस बात का एहसास होता है कि वे डिजिटल उत्पाद बनते जा रहे हैं। उनका समय, ध्यान और भावनाएं डेटा तथा विज्ञापन के रूप में बिक रहे हैं। युवा सोचते हैं कि वे रचनाकार हैं, जबकि वास्तव में वे एक उपभोक्ता हैं, जिन्हें बार-बार स्क्रीन पर आने के लिए आकर्षित किया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर 'रील' का जुनून केवल व्यक्ति का बाहरी व्यवहार नहीं बदलता, बल्कि उसके भीतर की दुनिया को भी विकृत कर देता है। अब सफलता की दर प्रसिद्धि और समर्थकों की संख्या से मापी जाने लगी है। यही तत्त्व दोस्ती, प्रेम और आत्मविश्वास का पैमाना बन गए हैं। मनोचिकित्सक मानते हैं कि 'डोपामिन हिट' यानी 'रील' को पसंद करने वालों की संख्या से मिलने वाली क्षणिक खुशी अब डिजिटल नशे का रूप ले चुकी है। युवा इस भ्रम को हकीकत मानने लगे हैं कि सोशल मीडिया पर सराहना ही उनकी असली पहचान है।

इस प्रवृत्ति के कारण वे वास्तविक जीवन से कटने लगे हैं, पढ़ाई और अपने कार्य में उदासीन हो गए हैं तथा मानसिक अस्थिरता का शिकार होने लगे हैं। युवाओं को यह समझना होगा कि असली पहचान स्क्रीन पर नहीं, वास्तविक जीवन में है। जितना वे अपनी प्रतिभा और संवेदनशीलता को वास्तविक समाज में लगाएंगे, उतना ही उनका अस्तित्व अर्थपूर्ण बनेगा। जरूरत है आज की युवा पीढ़ी को सही दिशा देने की, ताकि कैमरे के सामने सिर्फ दिखावे के बजाय विचार, संवेदना और परिवर्तन की सच्ची तस्वीर बने।

शासन के मंशानुरूप जनपद के सभी तहसीलों में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

तहसील स्तर पर ही फरियादियों के शिकायतों का निस्तारण कराये सुनिश्चित-जिलाधिकारी

भदोही ।जन शिकायतो के त्वरित निस्तारण एवं कार्यवाही के दृष्टिगत ''सम्पूर्ण समाधान दिवस'' जनपद के सभी तहसीलों में आयोजित किया गया। तहसील ज्ञानपुर में जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संतोष कुमार चक, उप जिलाधिकारी भान सिंह, तहसील भदोही में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, उप जिलाधिकारी अरूण गिरि, पुलिस क्षेत्राधिकारी भदोही, तहसील औराई में अपर जिलाधिकारी न्यायिक विजय नारायण सिंह, उप जिलाधिकारी बरखा सिंह एवं अन्य अधिकारियो द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित होकर फ़रियादियों की समस्याओ को गंभीरता से सुनकर निस्तारण किया गया।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों को कड़ा निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों को निस्तारण करने हेतु शिकायतकर्ता से बात करें, मौके पर जाये, स्पष्ट रूप से आख्या लिखे, कागजी खानापूर्ति न करें। शिकायतों को पारदर्शी ढंग से गुणवत्तानुरूण निस्तारण कराये। सबसे अधिक शिकायतें विद्युत विभाग, पंचायत विभाग, जल निगम, राजस्व विभाग के है। जल निगम द्वारा हर घर जल नल योजना से पानी की आपूर्ति सही ढंग से न कराने व सड़के खराब होने व समय पर मरम्मत सही ढंग से न करने पर अधिशासी अभियंता जल निगम को जिलाधिकारी ने कड़ी फटकार लगायी और कार्य में सुधार लाने का निर्देश दिया। अन्यथा सख्त कार्यवाही की जायेगी।

तहसील ज्ञानपुर सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा सुनवाई के दौरान प्रार्थी रामशिरोमणि पुत्र रामनिहोर निवासी अमिलहरा थाना सुरियावां, तहसील ज्ञानपुर अवैध अतिक्रमण रोके जाने के सम्बन्ध में, विवके कुमार पुत्र मुन्नी निवासी ग्राम गोधना थाना ऊँज, तहसील ज्ञानपुर का अनाधिकार बैनामा की भूमि संख्या 246 आजारी मौजा नारेपार में प्रार्थी के निर्माण को बाधित करने वाले से रोकने के सम्बन्ध में, प्रार्थिनी बुधना देवी पत्नी राजेश कुमार बिन्द निवासी बारी, पोस्ट दशरथपुर, ज्ञानपुर की निवासीनी ने प्रार्थिनी का बैनामा सुदा आराजी नम्बर 224 घ पर बिना किसी अधिकार के विपक्षीगण द्वारा अवैध कब्जा के सम्बन्ध में, रवि प्रकाश जायसवाल पुत्र मानिकचन्द निवासी ग्राम चकसुन्दरपुर तहसील ज्ञानपुर में विपक्षी रमजान अली के विरूद्ध बेदखली का आदेश होने के बावजूद कब्जा किया जा रहा है आराजी नम्बर-48/3 पर अतिक्रमण के सम्बन्ध में के द्वारा शिकायत सहित अन्य

फरियादियों द्वारा दिये गये आवेदनों पर गम्भीरता से सुनते हुए निस्तारण का निर्देश दिया। दूर-दराज से आये फरियादियों के कुल 32 प्रार्थना पत्रों में से 06 मामलों में त्वरित निस्तारण किये गये, शेष प्रकरण में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम बनाते हुए समय-सीमा में समाधान करने का निर्देश दिया।

सभी तहसीलों में जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में सुशासन आधारित लगायें गये विभिन्न कैम्पो-बाल विकास पुष्टाहार विभाग, आयुष्मान गोल्डेन कार्ड, परिवार नियोजन, समाज कल्याण विभाग द्वारा वृद्धावस्था पेंशन, महिला कल्याण विभाग द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के उन्नयन हेतु विविध योजना मिशन शक्ति, राजस्व विभाग हेल्प डेस्क, जागरूकता हेतु लगाये गये। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने तहसील ज्ञानपुर के संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर त्वरित निस्तारण करते हुए सुशासन को स्थापित किया, साथ ही आईजीआरएस में प्राप्त लोक शिकायतों का निस्तारण, ऑनलाईन ''सर्विस डिलीवरी'' की सेवाओं में वृद्धि किया गया। जिलाधिकारी ने फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरता से सुनते हुए गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध समाधान करने का निर्देश दिया। कानूनगो व लेखपाल को निर्देशित किया कि जमीन सम्बन्धी मामले में पुलिस टीम के साथ समन्वय व सहयोग बनाते हुए निस्तारण सुनिश्चित कराये। उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कुछ ऐसे मामले होते है जो दो या तीन विभागों के मध्य संयुक्त रहता है। सम्पूर्ण समाधान दिवस एक ऐसा सुअवसर होता है जहा पर एक ही दिन, एक ही निश्चित समय पर सभी जनपदीय अधिकारी उपस्थित होते है। अर्न्तविभागीय समन्वय स्थापित करते हुयें ऐसे सभी मामलों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाय। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि प्रदेश सरकार की मंशानुरूप जनता जनार्दन को अपने तहसील स्तर पर ही उनकी शिकायतों का निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाएं। उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस द्वारा शासन त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। तहसील दिवस में आए जनता की समस्याओं का पुलिस व राजस्व अधिकारी संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण करते हुए न्यायोचित निस्तारण कराना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस पर प्राप्त प्रार्थना पत्रो को अधिकारी गुणवत्तापूर्ण ढंग से तीन दिन के अन्दर निस्तारण कराना सुनिश्चित कराये। उन्होंने जनपद में शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराने हेतु सभी को प्रोत्साहित किया। गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन के मंशानुरूप सुशासन को निर्धारित समय सीमा में जनपदवासियों को अच्छादित किया जाय। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता की बातो को गम्भीरता से अवश्य सुने। उन्होंने कहा कि तहसील स्तर की शिकायतें तहसील स्तर पर ही निस्तारित हो जाये। यदि शिकायते ऊपर के स्तर पर प्राप्त हो रही है तो ये दर्शाता है कि तहसील स्तर पर लापरवाही हुई है। उन्होंने जनपदीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने ब्लाक या तहसील स्तरीय अधिकारी/कर्मचारीगण एसडीएम व सीओ की टीम के साथ समन्वय व सहयोग बनाते हुए निस्तारण सुनिश्चित कराये।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने कहा कि राजस्व व जमीन प्रकरण शिकायत के निस्तारण हेतु राजस्व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर जॉच करते समय शिकायतकर्ता अथवा वहॉ पर उपस्थित व्यक्तियो के हस्ताक्षर अवश्य कराये तथा फोटोग्राफ्स भी सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभागाध्यक्ष अपने विभाग स्तर पर ही शिकायतकर्ताओं को संतुष्टि के साथ शिकायत निस्तारण सुनिश्चित करें। यदि प्राथमिक स्तर पर ही विकास खण्ड कार्यालय, उप जिलाधिकारी कार्यालय व विभागाध्यक्ष द्वारा गुणवत्ता व संतुष्टिपरक समय-सीमा में शिकायतों का निस्तारण कर लिया जाय तो फरियादियों को जिलाधिकारी, मण्डलायुक्त व सीएम पोर्टल पर शिकायत करने की स्थिति ही नही आयेगी।

ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं- सुनील कुमार दूबे

भदोही। जिले में युवाओं को खेल के प्रति सदा उत्साहित और प्रेरित करने वाले डीघ ब्लॉक स्पोर्ट अकादमी के अध्यक्ष सुनील कुमार दूबे उर्फ़ पट्टर ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओ की कमी नहीं है, जरूरत है कि युवाओं को सही मार्गदर्शन मिले। और इसका भी कार्य इधर दो दशक से देखने को भी मिल रहा है। सुनील कुमार दूबे ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए समय समय पर तमाम कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है, जिसमें युवाओं को अपनी प्रतिभा को निखारने का पूरी तरह मौका मिलता है। सुनील दूबे ने बताया कि बीते जून में डीघ ब्लॉक के मदनपुर सगरा में स्थित ग्रीन पार्क स्टेडियम में मैत्री मैच का आयोजन किया गया था जो पूरी तरह सफल रहा। सुनील दूबे में ने कार्यक्रमों के सफल आयोजनों में माता स्वरुप शुक्ला, मदन पाण्डेय, अजीत सिंह, शिवजी मिश्रा और दुर्गेश पाण्डेय के सहयोग की काफ़ी सराहना की। सुनील कुमार दूबे डीघ ब्लॉक के पिंडरा शेरपुर के निवासी है, उन्होंने ने दिवाली पर्व पर देशवासियों को दीपावली की बधाई और शुभकामनाये दी।

दीपावली पर ग्रीन पटाखे ही चलाएं

डीएम व एसपी ने धनतेरस- दीपावली की जनपदवासियों को दी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीपों का पांच दिवसीय उत्सव-धनतेरस, छोटी दीपावली, दीपावली ,गोवर्धन पूजा और भाई दूज

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार व पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने धनतेरस व शुभ दीपावली पर्व पर जनपदवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य,सुख,समृद्धि एवं खुशहाल भविष्य की कामना किया है। जिलाधिकारी ने धनतेरस, छोटी दीपावली, दीपावली ,गोवर्धन पूजा और भाई दूज की बधाई देते हुए कहा कि दीपों का यह पांच दिवसीय उत्सव केवल प्रकाश का पर्व ही नहीं है, बल्कि अंधकार से प्रकाश, असत्य से सत्य और सत्कर्म की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। भगवान धन्वंतरि सभी के जीवन में उत्तम स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि प्रदान करें।

अच्छे स्वास्थ्य से ही जीवन में खुशहाली आती है

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने जनपदवासियों से अपील किया है कि दीपावली के अवसर पर ग्रीन पटाखे ही जलाएं। पटाखें जलाते समय बच्चों के साथ घर के बड़े लोग अवश्य रहें। उन्होंने कहा कि पटाखों को सामूहिक व सुरक्षित रूप से ही जलाएं। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए यह आवश्यक है कि कम से कम पटाखें जलाये जांय। पटाखें जलाते समय एक बाल्टी पानी अवश्य रखें, सावधानी बरतें, जिससे कोई दुर्घटना न हो और सभी खुशियों के साथ दीपावली के त्यौहार को परंपरागत तरीके से मनाएं।

सशक्त नारी, सशक्त भारत, सशक्त उत्तर प्रदेश

जनपद भदोही के विभिन्न थानों द्वारा 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत शैक्षणिक संस्थानों/गाँवों में प्रेरक लघु फिल्म प्रदर्शन के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति किया गया जागरूक

भदोही । उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति फेज 5.0'के तहत पुलिस अधीक्षक 'अभिमन्यु मांगलिक'जनपद भदोही द्वारा एंटी रोमियो टीम महिला सशक्तिकरण एवं महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के मार्गदर्शन में क्षेत्राधिकारी अशोक मिश्रासर्कल भदोही द्वारा 'फलाहे उल्मात गर्ल्स डिग्री कॉलेज' भदोही एवं क्षेत्राधिकारी प्रभात राय सर्किल औराई के केशव प्रसाद पी0जी0 कॉलेज औराई जनपद भदोही में छात्राओं को जागरूकता अभियान के तहत वृहद स्तर पर चलाया रहा मिशन शक्ति अभियान के तहत बालिकाओं को क्षेत्राधिकारी अशोक मिश्रा द्वारा संबोधित करते हुए बालिकाओं को बताया गया कि खुद को कमजोर ना समझे आज की नारी जमीन से लेकर आसमान तक अपना पर्चम लहरा रही है। हमें उन महिलाओं से प्रेरित होकर खुद को समाज के समझ मजबूत एवं

सुदृढ़ रूप में व्यक्त करना ही मिशन शक्ति का मुख्य उद्देश्य है। उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। तथा इसी क्रम में क्षेत्राधिकारी प्रभात राय द्वारा बालिकाओं को संबोधित करते हुए बताया गया कि स्वयं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से मजबूत होकर सभी परिस्थितियों का डटकर सामना करना चाहिए। महिलाएं एवं बालिकाएं शारीरिक रूप से कमजोर नहीं होती है। वह खुद को कमजोर समझने की भूल ना करें यदि किसी भी समस्या का सामना खुद नहीं कर प रही हो तो सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों तथा वूमेन पॉवर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, एम्बुलेंस सेवा-108, चाइल्ड लाइन-1098, स्वास्थ्य सेवा-102, महिला हेल्पलाइन-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 से मदद ले और सुरक्षित रहें। तथा सार्थक और सकारात्मक चर्चा कर गुड टच, बैड टच के बारे में,घरेलू हिंसा के बारे में, साइबर अपराधों के बारें में साइबर हेल्पलाइन-1930 आदि सहित कानूनी प्रावधानों एवं उनके अधिकारों इत्यादि के बारे में चर्चा करते हुए शान द्वारा चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं के विषय में जानकारी देते हुए पंपलेट प्रदान कर जागरूक किया जा रहा है।

उ.प्र. ट्रेड शो स्वदेशी मेला 2025 का हुआ भव्य समापन

स्वदेशी मेला में सहभागिता करने वाले दुकानदारों व उत्कृष्ट योगदान देने वालों को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

भदोही। उत्तर प्रदेश सरकार की पहल पर आयोजित 'यूपी ट्रेड शो एवं स्वदेशी मेला 2025' का जिलाधिकारी शैलेष कुमार के कुशल मार्गदर्शन व निर्देशन में 10 दिवसीय आयोजन 9 से 18 अक्टूबर 2025 तक पूरे उत्साह और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस मेले का उद्देश्य न केवल स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करना था, बल्कि स्थानीय कारीगरों, हस्तशिल्पियों, उद्यमियों और छोटे दुकानदारों को एक साझा मंच प्रदान करना भी था, जहाँ वे अपने उत्पादों को आमजन तक पहुँचा सकें।

इस 10 दिवसीय मेले में हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया। मेले में कुल 50 से अधिक स्टालों की व्यवस्था की गई थी, जहाँ विविध प्रकार के स्वदेशी उत्पाद–जैसे हस्तशिल्प, हथकरघा वस्त्र, स्थानीय खाद्य सामग्री, पारंपरिक खिलौने, आयुर्वेदिक उत्पाद, जैविक खेती के सामान, मिट्टी व लकड़ी से बने सजावटी सामान आदि–का न केवल प्रदर्शन किया गया बल्कि इनकी भारी मात्रा में बिक्री भी हुई। इससे यह स्पष्ट होता है कि आज का उपभोक्ता स्वदेशी उत्पादों को अपनाने के प्रति सजग और उत्साहित है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बढ़ाया मेले का आकर्षण

मेले की विशेषता केवल व्यापार तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि प्रतिदिन विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया, जिनमें लोक नृत्य, संगीत, नाटक, कवि सम्मेलन, नुक्कड़ नाटक, जैसी गतिविधियाँ सम्मिलित रहीं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और स्वदेशी विचारधारा को जनमानस तक पहुँचाने का सफल प्रयास किया गया।

करोड़ों का व्यापार, स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा

इस मेले के दौरान कुल व्यापार करोड़ों रुपए का हुआ, जिससे न केवल स्थानीय उद्यमियों को प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ मिला, बल्कि इससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली। इस आयोजन से यह सिद्ध होता है कि अगर स्थानीय उत्पादों को सही मंच मिले, तो वे किसी भी बड़े ब्रांड या विदेशी उत्पादों को टक्कर देने में सक्षम हैं। मेले में आए व्यापारियों और ग्राहकों ने भी इसे एक उत्कृष्ट प्रयास बताया और भविष्य में ऐसे और आयोजनों की अपेक्षा जताई।

सम्मान समारोहः उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र वितरण

मेले के समापन अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मेले में प्रतिभाग करने वाले स्थानीय दुकानदारों, कारीगरों और अन्य प्रतिभागियों को उनकी उत्कृष्ट सहभागिता और योगदान के लिए मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सीडीओ ने अपने उद्बोधन में कहाः 'स्वदेशी मेला न केवल स्थानीय उत्पादों के प्रचार-प्रसार का एक माध्यम है, बल्कि यह हमारे आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। हमें गर्व है कि हमारे जिले में इस प्रकार का आयोजन सफलतापूर्वक हुआ।'

मुख्य विकास अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों, आयोजकों, स्वयंसेवकों, मीडिया कर्मियों, और प्रशासनिक अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि सभी की संयुक्त मेहनत और समर्पण से ही यह मेला इतने प्रभावशाली रूप में संपन्न हो सका।

महिला उद्यमिता को मिला मंच

मेले की एक विशेष उपलब्धि यह रही कि महिला स्व-सहायता समूहों (एर्ट पत्ज्उेदल्जे) ने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया। महिलाओं द्वारा तैयार किए गए आचार, पापड़, मसाले, हैंडमेड बैग, बुनाई के वस्त्र आदि की जबरदस्त मांग रही। इससे यह स्पष्ट है कि महिला उद्यमिता को उचित मंच मिलने पर वह आत्मनिर्भरता की ओर बड़ी तेजी से अग्रसर हो सकती है।

युवाओं के लिए स्टार्टअप जोन

इस वर्ष मेले में 'स्टार्टअप जोन' की भी व्यवस्था की गई थी, जहाँ स्थानीय नवोन्मेषी युवाओं ने अपने स्टार्टअप आइडिया और उत्पाद प्रस्तुत किए। इसमें तकनीकी, कृषि, हस्तशिल्प, डिजिटल समाधान और ई-कॉमर्स से जुड़े विचारों को लोगों ने सराहा। यह नवाचार क्षेत्र के युवाओं को प्रेरित करने वाला साबित हुआ।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मेला पूरी तरह से प्लास्टिक मुक्त रहा और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु विशेष अभियान चलाए गए। जैविक उत्पादों की बिक्री, पारंपरिक पैकेजिंग, और पर्यावरण-अनुकूल सजावट ने यह दिखाया कि विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ संभव हैं।

मेले की सफलता में मीडिया की भूमिका भी अत्यंत सराहनीय रही। स्थानीय और राज्य स्तरीय समाचार पत्रों, टीवी चैनलों और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने मेले की गतिविधियों को व्यापक रूप से प्रसारित किया, जिससे इसकी पहुँच दूर-दराज के लोगों तक भी हुई।

'यूपी ट्रेड शो एवं स्वदेशी मेला 2025' ने यह प्रमाणित कर दिया है कि जब सरकार, समाज और स्थानीय उद्यमी मिलकर प्रयास करते हैं, तो स्वदेशी आंदोलन को नई दिशा और गति मिल सकती है। यह मेला न केवल एक व्यापारिक आयोजन था, बल्कि एक सांस्कृतिक उत्सव भी रहा, जिसने 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' की भावना को जन-जन तक पहुँचाया।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण, उपनिदेशक कृषि डॉ.अश्वनी सिंह, एलडीएम अमित गुप्ता, मत्स्य विभाग प्रभारी अमित सिंह आदि उपस्थित रहे।

जुबीन गर्ग मौत मामलाः 'अब सिंगापुर जाकर जांच करेगी असम पुलिस', वरिष्ठ अधिकारी बोले- सही दिशा में चल रही छानबीन

गुवाहाटी। असम पुलिस के क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) ने सिंगापुर की यात्रा की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। यह यात्रा मशहूर गायक और सांस्कृतिक आइकन जुबीन गर्ग के मौत के मामले की जांच के लिए है। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एसआईटी, जो मामले की जांच कर रही है, समय पर कोर्ट में रिपोर्ट जमा करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

स्पेशल डीजीपी मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने बताया कि एसआईटी की जांच सही दिशा में आगे बढ़ रही है। गुप्ता ने कहा, 'जांच चल रही है, बयान दर्ज किए जा रहे हैं। हम दिन-रात मेहनत कर रहे हैं और जांच सही दिशा में है।' एसआईटी का उद्देश्य कोर्ट को समय पर रिपोर्ट देना है।

एसआईटी की सिंगापुर यात्रा

गुप्ता के नेतृत्व में 10 सदस्यीय एसआईटी सोमवार से सिंगापुर यात्रा पर जाएगी। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि टीम सिंगापुर अधिकारियों के शेड्यूल के अनुसार यात्रा करेगी और जांच आगे बढ़ाएगी। इससे जुड़ी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

कांग्रेस नेता सैकिया ने सिंगापुर पीएम को लिखा पत्र

असम विधानसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता देबब्रत सैकिया ने सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग को पत्र लिखकर गायक जुबीन गर्ग की मौत की पारदर्शी जांच की मांग की है। उन्होंने सिंगापुर सरकार से 'ट्रांसपेरेंट कॉर्नर इंक्वायरी' की तत्काल शुरुआत करने का अनुरोध किया है।

एसआईटी ने शनिवार को जुबीन गर्ग से जुड़े लोगों के बयान दर्ज किए, जिनमें डॉक्टर हितेश बरुआह और संगीतकार दिगंता भारती शामिल हैं। हितेश बरुआह ने कहा कि जुबीन को दौरे की जानकारी थी और सभी को उनकी मिर्गी के बारे में पता था। उन्हें आग और पानी से दूर रखना चाहिए था।

जुबीन गर्ग सिंगापुर में चौथा नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में शामिल होने गए थे। इसी दौरान उनका समुद्र में तैरते समय निधन हो गया। एसआईटी ने अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एनईआईएफ के प्रमुख आयोजक श्यामकानु महंता, जुबीन के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा, उनके चचेरे भाई और राज्य पुलिस अधिकारी संदीपान, उनके दो बैंड सदस्य और दो पीएसओ शामिल हैं।

सभी आरोपी अब न्यायिक हिरासत में हैं। पुलिस रिमांड समाप्त होने के बाद उन्हें जेल में रखा गया है। एसआईटी ने कहा है कि चार्जशीट 90 दिनों के भीतर दाखिल की जाएगी। जांच में अब सिंगापुर यात्रा के दौरान दर्ज बयान और घटनाओं की पूरी समीक्षा की जाएगी।

टीएमसी का एसआईआर विरोध 'फर्जी वोटरों' पर निर्भरता का सबूत? सुकांत ने ममता पर साधा निशाना

कोलकाता। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने शनिवार को आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का तृणमूल कांग्रेस द्वारा कड़ा विरोध, पार्टी की वोट बैंक के रूप में फर्जी नामों, मृत मतदाताओं, स्थानांतरित मतदाताओं और घुसपैठियों पर निर्भरता को उजागर करता है। मजूमदार ने आगे कहा कि चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि एसआईआर को पूरे देश में लागू किया जाएगा और उन्होंने सवाल किया कि ममता बनर्जी इस प्रक्रिया का 'इतना जोरदार विरोध' क्यों कर रही हैं।

मजूमदार ने कहा कि चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका में पहले ही उल्लेख किया है कि वे पूरे देश में एसआईआर चलाएँगे। इसलिए कई राजनीतिक दल एसआईआर का विरोध कर रहे हैं और हमारे खिलाफ हैं। लोकतंत्र में विरोध को स्वीकार किया जाता है। हालाँकि, ममता बनर्जी और उनकी पार्टी द्वारा इस्तेमाल किए गए अपमानजनक और धमकी भरे शब्द वाकई अनोखे हैं। मेरा सवाल यह है कि ममता बनर्जी एसआईआर का इतना ज़ोरदार विरोध क्यों कर रही हैं? इसका मतलब है कि फर्जी नाम, मृत मतदाता या स्थानांतरित मतदाता या घुसपैठिए, ये सब ममता बनर्जी का वोट बैंक हैं।

मजूमदार ने आगे कहा कि टीएमसी नेतृत्व के सभी सांसद, विधायक हमें धमकी दे रहे हैं कि वे खून बहाएँगे... मैं देखना चाहता हूँ कि सुकांत मजूमदार के सीने में छलनी करने के लिए टीएमसी के पास कितनी गोलियाँ हैं। मजूमदार ने टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी की धमकी का ज़िक्र किया और सेरामपुर आने की चुनौती स्वीकार की। उन्होंने कहा, 'कल कल्याण बनर्जी ने एक बयान जारी कर मुझे सेरामपुर आने की चुनौती दी और धमकी दी कि वह और उनकी पार्टी के कार्यकर्ता मुझे मेरे घर, कोलकाता स्थित मेरे आवास पर वापस नहीं आने देंगे। इसलिए मैंने यह चुनौती स्वीकार कर ली है। इस देश की आज़ादी के लिए कई स्वतंत्रता सेनानियों ने लड़ाई लड़ी। हमें वह सौभाग्य नहीं मिला।'

इससे पहले, पश्चिम बंगाल पुलिस ने युवा कांग्रेस के सदस्यों को राज्य चुनाव आयोग तक एसआईआर प्रक्रिया के विरोध में मार्च करते हुए हिरासत में ले लिया था, जो नवंबर में शुरू होने की संभावना है।

14 वर्षीय छात्र लापता, परिजनों ने जताई अपहरण की आशंका

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी के नारपोली पुलिस स्टेशन क्षेत्र से एक 14 वर्षीय छात्र के रहस्यमय तरीके से लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने आशंका जताई है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने बालक को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, लापता बालक का नाम सुरज रमेशकुमार यादव (उम्र 14 वर्ष 9 माह 5 दिन) है। वह भिवंडी स्टेशन रोड स्थित ब्रम्हानंद नगर, शिवरामनगर, कामतघर इलाके का रहने वाला है। उसके पिता रमेशकुमार श्रीरामकरण यादव पेशे से चालक हैं और भगवान इस्टेट, वलगाव, भिवंडी में काम करते हैं।शिकायत के मुताबिक, 14 अक्टूबर 2025 की सुबह लगभग 6 बजे सुरज ने अपने पिता से कहा कि वह 'ओसवाल हाईस्कूल, अंजूर फाटा' जा रहा है। आमतौर पर वह दोपहर 1 बजे तक घर लौट आता था, लेकिन उस दिन शाम तक भी नहीं लौटा। जब परिजनों ने संपर्क करने की कोशिश की, तो उसका मोबाइल नंबर 8381890749 बंद मिला। बाद में स्कूल जाकर जानकारी ली गई तो पता चला कि सुरज उस दिन स्कूल पहुंचा ही नहीं था।परिवार ने रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में काफी खोजबीन की, मगर बालक का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पिता ने नारपोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

लापता सुरज का हुलिया इस प्रकार बताया गया है -

उम्र 14 वर्ष 9 माह, कद लगभग 5 फीट, रंग गोरा, शरीर मध्यम, बाल काले व बारीक, आंखें काली, चेहरा गोल।

वह हिंदी, अंग्रेजी और भोजपुरी भाषाएं बोलता है। आखिरी बार उसे लाल रंग की ओसवाल स्कूल की टी-शर्ट और खाकी रंग की पैंट पहने देखा गया था।

यह मामला नारपोली पुलिस स्टेशन में गु. क्र. 1167/2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) में दर्ज किया गया है।

इंजीनियर युवती से शादी का झांसा देकर बार-बार दुष्कर्म, प्रेमी फरार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी के नारपोली पुलिस थाने की सीमा में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक 29 वर्षीय इंजीनियर युवती के साथ उसके प्रेमी ने शादी का झांसा देकर कई बार दुष्कर्म किया। पीड़िता की शिकायत पर नारपोली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है, लेकिन पुलिस को खबर लगते ही आरोपी फरार हो गया। फिलहाल पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, छत्रपति संभाजीनगर निवासी 29 वर्षीय इंजीनियर युवती का वर्ष 2021 में कशेली निवासी अजय उत्तम इंगले से प्रेम संबंध हुआ था। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और पीड़िता अजय के घर आना-जाना करने लगी। इसी दौरान 2021 से 2025 के बीच अजय ने युवती से शादी करने का वादा कर उसके साथ कई बार जबरन शारीरिक संबंध बनाए।

जब पीड़िता ने अजय पर शादी का दबाव डाला, तो उसने इनकार कर दिया। खुद के साथ धोखा होने का एहसास होने पर युवती ने नारपोली पुलिस थाने में जाकर अपने प्रेमी अजय के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत मामला दर्ज कराया। मामले की भनक लगते ही अजय फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में सक्रिय रूप से जुटी है। इस घटना से क्षेत्र में रोष का माहौल है।

भिवंडी के काल्हेर में महिला सफाई कर्मचारी से छेड़छाड़, मुकदमा दर्ज, आरोपी फरार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी के काल्हेर इलाके में एक महिला सफाई कर्मचारी के साथ छेड़छाड़ की घटना प्रकाश में आई है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 35 वर्षीय सफाई कर्मचारी ग्रेटर काल्हेर के एक बिल्डिंग के एक कमरे की सफाई कर रही थी। उसी समय ठाणे निवासी मिलिंद तेलंगे ने तीसरी मंजिल पर लिफ्ट के बगल की ओर एक कमरे की सफाई करने की बात कही। यह कहकर, वह पीड़िता को उस कमरे में ले गया और शिकायतकर्ता महिला के साथ छेड़छाड़ की, जिसके बाद महिला खुद को अपमानित महसूस किया। इस मामले में पीड़िता द्वारा दी गई शिकायत पर नारपोली पुलिस स्टेशन में छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया गया है और पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है।

शामली में ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मारी, महिला की मौत, पति गंभीर रूप से घायल

शामली । शामली जिले के झिंझाना थाना इलाके में एक तेज रफ्तार ट्रक ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे एक महिला की मौत हो गई और उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि झिंझाना थाना क्षेत्र में करनाल-मेरठ राजमार्ग पर केरटू गांव के पास शुक्रवार शाम तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार कुसुम (40) की मौत हो गई और उसका पति सुमैर गंभीर रूप से घायल हो गया।

झिंझाना थाना प्रभारी (एसएचओ) वीरेंद्र कसाना ने यहां संवाददाताओं को बताया कि मोटरसाइकिल सवार लोगों को अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने कुसुम को मृत घोषित कर दिया।

महिला का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है और घायल का उपचार जारी है। कसाना ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब कुसुम और सुमैर मोटरसाइकिल से जसोई गांव से करनाल लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि ट्रक चालक अपना वाहन छोड़कर फरार हो गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

संसद के करीब ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट में भीषण आग, कई सांसदों का आवास है यहां

नई दिल्ली। नई दिल्ली स्थित ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट में भीषण आग लग गई। सूचना मिलने पर दमकल की टीमें मौके पर पहुँचीं और राहत कार्य शुरू किया। छह गाड़ियाँ घटनास्थल पर भेजी गई हैं। ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट, नई दिल्ली में डॉ. बिशंभर दास मार्ग पर स्थित राज्यसभा सांसदों के लिए एक आवासीय परिसर है। ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट के निवासी विनोद ने कहा कि मेरा कुत्ता अंदर फंस गया था। मेरी बेटी की शादी कुछ ही महीनों में होने वाली है, और जो भी गहने, सोना और कपड़े हमने खरीदे थे, वे भी अंदर हैं... मेरी पत्नी और मेरा एक बच्चा भी जल गया। वे अस्पताल में हैं... हमें कोई सुराग नहीं है कि आग कैसे लगी... मेरा घर तीसरी मंजिल पर है।

इस बीच, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सांसद साकेत गोखले ने कहा कि अपार्टमेंट संसद भवन से सिर्फ़ 200 मीटर की दूरी पर है। एक एक्स (पहले ट्विटर) पोस्ट में, उन्होंने दिल्ली सरकार की भी आलोचना की और कहा कि दमकल विभाग ने आग लगने की सूचना पर तुरंत कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा, 'सभी निवासी राज्यसभा सांसद हैं। इमारत संसद भवन से 200 मीटर की दूरी पर है।' 30 मिनट से कोई दमकल विभाग नहीं आया है। आग अभी भी जल रही है और बढ़ती जा रही है। बार-बार सूचना देने के बावजूद दमकल गाड़ियाँ गायब हैं।

बिहार चुनाव से पहले एनडीए को तगड़ा झटका, चिराग की उम्मीदवार सीमा सिंह का नामांकन रद्द

पटना। मढ़ौरा विधानसभा सीट के लिए बेहद अहम चुनावी मुकाबले में उस समय अप्रत्याशित मोड़ आ गया जब लोजपा (रामविलास) उम्मीदवार सीमा सिंह का नामांकन प्रक्रियागत आधार पर रद्द कर दिया गया। रिटर्निंग ऑफिसर ने पुष्टि की कि अनिवार्य जांच प्रक्रिया के बाद नामांकन पत्र खारिज कर दिए गए, जिसमें कई तकनीकी खामियाँ सामने आईं, जो पहली बार चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के लिए एक आम समस्या है। यह चुनाव से पहले एनडीए को बड़ा झटका लगा है। मढ़ौरा सीट एनडीए की ओर से लोजपा (रामविलास) के खाते में गया था।

सीमा सिंह को एक सशक्त उम्मीदवार के रूप में देखा जा रहा था जो अपनी क्षेत्रीय प्रसिद्धि और आकर्षण का इस्तेमाल करके भीड़ जुटाने में सक्षम थीं। स्थानीय लोजपा समर्थकों ने गहरी निराशा व्यक्त की है और अपने स्टार उम्मीदवार की हार को विपक्ष को निर्णायक चुनौती देने का एक चूका हुआ अवसर मान रहे हैं। स्टार उम्मीदवार के चुनाव मैदान से बाहर होने के साथ, मढ़ौरा में राजनीतिक समीकरण रातोंरात आसान हो गए हैं। चुनाव विशेषज्ञ अब सुझाव दे रहे हैं कि मुकाबला मुख्य मुकाबले तक सीमित हो जाएगा, जिसमें मौजूदा विधायक, राजद के जितेंद्र कुमार राय (बिहार सरकार में पूर्व मंत्री) और अन्य प्रमुख विपक्षी नेता, खासकर उभरते जन सुराज मंच के नेता, आमने-सामने होंगे।

एक स्थानीय राजनीतिक विश्लेषक ने कहा, 'लोजपा उम्मीदवार के नाम वापस लेने से पैदा हुआ शून्य काफी बड़ा है। उन्होंने जितने वोट बटोरे होंगे, उनका बड़ा हिस्सा अब पुनर्वितरित होगा, जिससे मुख्य रूप से राजद का मौजूदा आधार मजबूत होगा और गैर-एनडीए दावेदारों से चुनौती और बढ़ेगी।' इस नाटकीय घटनाक्रम में अल्ताफ आलम राजू का नामांकन भी रद्द कर दिया गया, जो पहले जेडी(यू) के टिकट पर मढ़ौरा से चुनाव लड़ चुके थे और इस बार पार्टी से टिकट न मिलने पर बागी निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया था। इस दोहरी अस्वीकृति–एक हाई-प्रोफाइल एलजेपी उम्मीदवार और एक प्रमुख जेडी(यू) असंतुष्ट–से दो महत्वपूर्ण और अप्रत्याशित कारक मैदान से हट गए हैं, जिससे आरजेडी के मौजूदा उम्मीदवार के लिए आगे का रास्ता साफ हो गया है।

अमेरिकी टैरिफ पर 'अच्छी खबर' कब? गोयल बोले- भारत का आत्मविश्वास बढ़ा, अब पहले जैसी बात नहीं

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में आगे बढ़ रही है, लेकिन उन्होंने इसके लिए कोई समय सीमा बताने से इनकार कर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत से आयात पर लगाए गए उच्च टैरिफ और इस मोर्चे पर देश को कब अच्छी खबर मिलने की उम्मीद है, इस बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में गोयल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि समझौते पर कोई फैसला होने पर मीडिया को सूचित किया जाएगा।

एएनआई के अनुसार, मंत्री ने कहा कि मेरा मानना ??है कि बातचीत बहुत सौहार्दपूर्ण माहौल में आगे बढ़ रही है, और मैंने कई बार कहा है कि मुक्त व्यापार समझौते या व्यापार वार्ता कभी भी समय सीमा पर आधारित नहीं होती। जब तक हम देश के हितों - भारत के किसानों, भारत के मछुआरों, भारत के एमएसएमई क्षेत्र - को पूरी तरह से संबोधित नहीं करते, तब तक कोई समझौता नहीं हो सकता। बातचीत बहुत अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। बातचीत जारी है और जब हम कोई फैसला लेंगे तो आपको ज़रूर सूचित करेंगे।

पीयूष गोयल ने इस बात पर ज़ोर दिया है कि हाल के वर्षों में भारत में महत्वपूर्ण बदलाव आया है और अब वह मज़बूत स्थिति में बातचीत करता है, जो मुक्त व्यापार समझौतों और अन्य व्यापारिक व्यवस्थाओं के प्रति भारत के दृष्टिकोण के संदर्भ में देश के बढ़ते आर्थिक आत्मविश्वास और वैश्विक कद को दर्शाता है। मंत्री आज नई दिल्ली में एसोचैम के वार्षिक सम्मेलन और 105वीं वार्षिक आम बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि देश अब मुख्य रूप से उन देशों के साथ जुड़ रहा है जो भारत के प्रतिस्पर्धी नहीं हैं, और यह सुनिश्चित कर रहा है कि व्यापार साझेदारी संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी हो।

उन्होंने कहा कि यह रणनीतिक दृष्टिकोण भारत को अपने घरेलू उद्योगों की सुरक्षा करने, निर्यात को बढ़ावा देने और निवेश एवं प्रौद्योगिकी सहयोग के अवसर पैदा करने में सक्षम बनाता है, साथ ही ऐसे समझौतों से भी बचाता है जो भारत की कीमत पर दूसरे पक्ष को अत्यधिक लाभ पहुँचा सकते हैं। मंत्री महोदय ने बताया कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 700 अरब अमेरिकी डॉलर के मज़बूत स्तर पर बना हुआ है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की मज़बूत बुनियाद को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हर लिहाज़ से, भारत के लोग, व्यवसाय और उद्योग मिलकर एक नई गतिशीलता, उत्साह और आत्मविश्वास का प्रतिनिधित्व करते हैं जो कुछ साल पहले देखने को नहीं मिला था।

त्योहारों पर सीएम योगी का सख्त फरमानः भीड़भाड़ वाले इलाकों में बढ़ाएं गश्त, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने त्योहारों और समारोहों के संबंध में सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा कि त्योहारों के दौरान 'जरा सी भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी' और सभी अधिकारी मैदान में सक्रिय रहें, उनके कार्यालय ने एक विज्ञप्ति में कहा। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, भीड़-भाड़ वाले इलाकों, बाजारों और धार्मिक स्थलों पर पुलिस गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, ड्रोन और सीसीटीवी से 24 घंटे निगरानी करने और किसी भी आपात स्थिति के लिए दमकल गाड़ियों को अलर्ट पर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने संदिग्ध व्यक्तियों पर विशेष नज़र रखने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने पुलिस, प्रशासन और नगर निगम के बीच निरंतर समन्वय पर भी ज़ोर दिया। उन्होंने 'सुचारू यातायात, निर्बाध बिजली आपूर्ति और उचित स्वच्छता' बनाए रखने के भी निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि 'अपराधियों और माफिया तत्वों के विरुद्ध निरंतर अभियान जारी रहना चाहिए और कहीं भी बिजली के तार लटकते नहीं मिलने चाहिए।'

मुख्यमंत्री योगी ने आगे यह भी सुनिश्चित किया कि 'त्योहार शांतिपूर्ण और सुरक्षित रूप से मनाया जाए, जो सभी अधिकारियों की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।' इस बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को धनतेरस पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके सुख, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि यह त्योहार भारत की सनातन हिंदू परंपरा में धर्म और अर्थ दोनों का प्रतिनिधित्व करता है, सीएम योगी ने कहा कि यह भगवान धन्वंतरि की जयंती का भी प्रतीक है और उन्होंने उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास की आशा व्यक्त की।

महागठबंधन में फूट! बिहार चुनाव से राहुल गांधी क्यों दूर? केशव मौर्य का बड़ा सवाल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह विदेश यात्रा कर रहे हैं, देश का दौरा कर रहे हैं, लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बिहार नहीं आ रहे हैं। पत्रकारों से बात करते हुए, यूपी के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी विदेश यात्रा कर रहे हैं, देश का दौरा कर रहे हैं, लेकिन बिहार नहीं आ रहे हैं। तेजस्वी यादव अपने गठबंधन सहयोगी का अपमान कर रहे हैं। इसलिए जो कुछ भी हो रहा है, मेरा मानना ??है कि यह बिहार के लिए अच्छा है। जो लोग उन्हें 20, 25 सीटें देते, शायद अब वे उसके लिए भी तरसेंगे।

इससे पहले आज, चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने शनिवार को तेजस्वी यादव को बिहार के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश करने की खबरों को लेकर महागठबंधन पर हमला बोला और कहा कि गठबंधन ने भी इसकी पुष्टि नहीं की है। चिराग पासवान ने 6 और 11 नवंबर को होने वाले 243 सीटों वाले बिहार विधानसभा चुनाव से पहले

प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों को सुरक्षित करने की रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए पटना में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की, जिसकी मतगणना 14 नवंबर को होगी।

पत्रकारों से बात करते हुए, पासवान ने कहा कि आंतरिक कलह से ग्रस्त गठबंधन विकास नहीं कर सकता, उन्होंने चेतावनी दी कि राज्य चुनाव से पहले लोग ऐसे नेतृत्व को स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, 'कौन कहता है कि तेजस्वी यादव का नाम (मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में) पक्का है, जबकि गठबंधन भी यह नहीं कह रहा कि तेजस्वी पक्के हैं। जनता उन्हें स्वीकार नहीं करेगी। जिस गठबंधन में इतने आंतरिक झगड़े हों, वह बिहार का विकास नहीं कर सकता।'

इस बीच, कांग्रेस पार्टी ने आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए 48 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी कर दी है। गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) प्रमुख राजेश राम कुटुम्बा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे, जबकि कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता शकील अहमद खान कदवा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। कुल 48 उम्मीदवारों में से 24 पहले चरण के चुनाव में और 24 दूसरे चरण में चुनाव लड़ेंगे। पार्टी ने कहा कि शेष नामों की घोषणा उचित समय पर की जाएगी।

नगालैंड की सियासत में बड़ा बदलाव, एनडीपीपी और एनपीएफ के विलय का रास्ता साफ

कोहिमा। नगालैंड की सत्तारूढ़ नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) ने शनिवार को नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के साथ विलय का प्रस्ताव औपचारिक रूप से पारित कर दिया। यह निर्णय पार्टी के छठे महाधिवेशन के दौरान लिया गया। बैठक में पार्टी अध्यक्ष चिंगवांग कोन्याक, मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, उपमुख्यमंत्री टीआर जेलियांग, मंत्री, विधायक और राज्य भर के नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। 'कैपिटल कल्चरल हॉल' में आयोजित इस अधिवेशन में देश की सबसे पुरानी क्षेत्रीय पार्टियों में से एक नगा पीपुल्स फ्रंट के बैनर तले दोनों पार्टियों के विलय के प्रस्ताव पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। सदन ने विस्तृत चर्चा के बाद सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया।

नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी ने प्रस्ताव के माध्यम से 'नगा हितों और नगा लोगों के व्यापक हित में विलय के प्रस्ताव का स्वागत किया और इसे मंजूरी दी'। नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी ने एनपीएफ के कदम को 'परिपक्व और सुविचारित' बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह विलय नगा लोगों की आवाज और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली एक मजबूत और एकीकृत क्षेत्रीय शक्ति का निर्माण करेगा।

प्रस्ताव में कहा गया कि एनडीपीपी, एनपीएफ के इस प्रस्ताव का स्वागत और स्वीकार करती है ताकि नागा जनजातीय हितों और नागा आंदोलन को मज़बूती मिल सके। पार्टी ने इस कदम को एक परिपक्व और दूरगामी रणनीति बताया और भरोसा जताया कि इससे क्षेत्रीय राजनीति को एक मज़बूती मिलेगी। एनडीपीपी ने स्पष्ट किया कि यह विलय नागा राजनीतिक मुद्दे के स्थाई समाधान में मददगार साबित होगा और एकजुट क्षेत्रीय राजनीतिक ताकत के रूप में जन-आकांक्षाओं को बेहतर ढंग से आगे बढ़ाया जा सकेगा।

नेफ्यू रियो और कोन्याक को मिला समर्थन

प्रस्ताव में कोन्याक और रियो के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा गया कि उनकी राजनीतिक समझदारी ने पार्टी को वर्तमान मुकाम तक पहुंचाया है। अधिवेशन ने दोनों नेताओं को विलय प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए अपना पूर्ण समर्थन दिया। यह प्रस्ताव एनडीपीपी के प्रस्ताव समिति के संयोजक केजी केन्ये और अन्य सदस्यों द्वारा पेश किया गया, जिसे हाथ उठाकर पारित किया गया।

योगी सरकार पर अखिलेश का हमलाः बिजली, ट्रैफिक, स्मार्ट सिटी... कहीं नहीं विकास!

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को धनतेरस और दिवाली की सभी को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने योगी सरकार की तीखी आलोचना करते हुए उसे निकम्मी सरकार करार दिया और कहा कि इससे बिजली की उम्मीद मत कीजिए। एक सभा को संबोधित करते हुए, सपा प्रमुख ने कहा कि यह निकम्मी सरकार है। इससे बिजली की उम्मीद मत कीजिए। राज्य की हालत यह है कि लखनऊ में हर जगह ट्रैफिक जाम है, फिर भी इसे स्मार्ट सिटी कहा जा रहा है।

अखिलेश यादव ने आगे कहा कि लखनऊ को तीसरा सबसे स्मार्ट शहर घोषित करने वाले अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'शहर में इतना कचरा और ट्रैफिक

है। करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी ट्रैफिक को नियंत्रित नहीं कर पाते।' अखिलेश यादव ने बिहार चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भूमिका की आलोचना करते हुए कहा कि वे प्रचार करने के बजाय फूट डाल रहे हैं। उन्होंने एनडीए सरकार पर नफ़रत फैलाने, नकारात्मक विचार रखने और नागरिकों के एक समूह को बहिष्कृत करने का आरोप लगाया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बिहार के चुनावी रणक्षेत्र में प्रवेश किया और भाजपा के रामकृपाल यादव (दानापुर) और एनडीए के श्याम रजक (फुलवारी शरीफ) के समर्थन में रैलियों को संबोधित किया। राजद-कांग्रेस गठबंधन पर तीखा हमला करते हुए उन्होंने उन पर 'विकास बनाम बुर्का' की विभाजनकारी राजनीति को हवा देकर बिहार के विकास को पटरी से उतारने का आरोप लगाया।

योगी ने कहा, 'जिन्होंने कभी बिहार को जंगलराज में धकेल दिया था, वे फिर से लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।' उन्होंने मतदाताओं को 'फर्जी मतदान' के प्रति आगाह किया और आरोप लगाया कि राजद-कांग्रेस मतपत्र छीनने और फर्जी मतदान के युग में वापस लौटना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि ये दल ईवीएम का विरोध इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें पारदर्शी चुनावों का डर है।

मनोरंजन

काजल राघवानी, सृष्टि भारती का छठ गीत 'दुःख सुनी दीनानाथ' रिलीज

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा की जानीमानी अभिनेत्री काजल राघवानी और गायिका सृष्टि भारती की जोड़ी में छठ गीत 'दुःख सुनी दीनानाथ' वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। छठी माता की भक्ति से भरपूर इस छठ गीत को सृष्टि भारती ने बहुत ही मधुर आवाज में गाया है। वहीं इस गीत के वीडियो में काजल राघवानी एकदम साधारण

गृहणी के रूप में दिख रही है।
वह विवाहिता स्त्री की भूमिका में सज धजकर नाक से लेकर माथ तक सिंदूर लगाये हुए नजर आ रही हैं। वह छठ पूजा के अवसर पर छठ व्रत करते हुए सबका मन मोह रही हैं।इस गीत में दिखाया गया है कि काजल राघवानी अपने सखी सहेलियां के साथ छठ व्रत का पूजा तैयारी करते कर रही है और अपने पति को याद भी कर रही है, जो बाहर परदेस कमाने गया हुआ है। वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स प्रस्तुत छठ गीत 'दुःख सुनी दीनानाथ' के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं। इस गाने को अरुण बिहारी ने लिखा है, जबकि संगीतकार छोटू रावत हैं। इस गाने का ऑल राइट वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के पास है।

मुन्नाभाई में चिंकी ने ब्रह्मा कुमारीज स्पिरिचुअल सेंटर में तपस्या की, ग्रेसी सिंह बॉलीवुड से क्यों दूर चली गईं?

मुंबई।फिल्म 'लगान', 'मुन्नाभाई MBBS', 'अरमान' और 'गंगाजल' में अपने रोल से मशहूर हुईं एक्ट्रेस ग्रेसी सिंह ने 1997 में टीवी सीरियल 'अमानत' से अपने करियर की शुरुआत की थी। 'मुन्नाभाई शँए ' में संजय दत्त की हीरोइन रहीं ग्रेसी ने अपने मासूम चेहरे और प्यारी मुस्कान से दर्शकों का दिल जीत लिया था। 'लगान' में गौरी और 'मुन्नाभाई शँए' में डॉ. सुमन अस्थाना उर्फ चिंकी के रोल से वह सबकी फेवरेट बन गईं। उनकी एक्टिंग के साथ-साथ उनकी खूबसूरती के भी खूब चर्चे हुए। 22 साल बाद भी उनके

चेहरे पर वही मासूमियत दिखती है।
ग्रेसी सिंहः ग्रेसी ने बॉलीवुड क्यों छोड़ा?
2008 में अपने मैनेजर की मौत के बाद, ग्रेसी सिंह ने मेनस्ट्रीम बॉलीवुड फिल्मों से दूरी बना ली। उन्होंने सिर्फ़ वही प्रोजेक्ट करने का फ़ैसला किया जो उनके लिए मीनिंगफुल और दिल को छूने वाले हों। 2013 में, वह स्पिरिचुअल ऑर्गनाइज़ेशन ब्रह्मा कुमारीज़ से जुड़ीं और उसके बाद उन्होंने एक्टिंग के बजाय स्पिरिचुअल शांति का रास्ता चुना। ग्रेसी ने डायरेक्शन और राइटिंग में भी अपनी दिलचस्पी दिखाई है, लेकिन वह फ़ेम से ज़्यादा पर्सनल सैटिस्फ़ैक्शन और सेल्फ़-डेवलपमेंट को ज़रूरी मानती हैं।
अभी की ज़िंदगी और स्पिरिचुअल सफ़र
ब्रह्मा कुमारीज़ ऑर्गनाइज़ेशन से जुड़ने के बाद से, ग्रेसी सिंह ने पूरी तरह से स्पिरिचुअल ज़िंदगी अपना ली है। वह मेडिटेशन, सेवा और योग के ज़रिए शांति और सुकून ढूंढती हैं। यह बदलाव उनकी सीरीज़ 'संतोषी माँ' में दिखा, जिसमें उन्होंने देवी संतोषी का रोल किया था। एक बॉलीवुड एक्ट्रेस से एक साधक बनने का उनका सफ़र कई लोगों के लिए इंस्पायरिंग रहा है। ग्रेसी सिंह को लगान में अपने रोल से रातों-रात पहचान मिली। इसके अलावा, लगान के बाद ग्रेसी सिंह मुन्नाभाई MBBS और गंगाजल में भी नज़र आईं। इन दोनों फ़िल्मों में ग्रेसी सिंह ने अहम रोल निभाया था। कुछ ही समय में ग्रेसी सिंह का नाम बॉलीवुड की टैलेंटेड एक्ट्रेस में शामिल होने लगा। लेकिन, अब एक्ट्रेस ने ग्लैमरस दुनिया और सफलता के पीक पर करियर को छोड़कर अध्यात्म का रास्ता चुना है।
सोशल मीडिया पर भी पॉपुलर
हालांकि ग्रेसी अब फिल्मों से दूर हैं, लेकिन वह सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं। वह इंस्टाग्राम पर अपनी डेली लाइफ की झलकियां, फोटो और विचार शेयर करती हैं। उनकी मासूमियत और सादगी आज भी उनके फैंस के बीच क्रेज है। इंस्टाग्राम पर उनके डेढ़ लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

पाकिस्तान के हवाई हमले में 3 अफगान क्रिकेटर शहीद, अफगानिस्तान ने त्रिकोणीय श्रृंखला से नाम वापस लिया

काबुल। अफ़ग़ानिस्तान के क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को बताया कि पक्तिका प्रांत में पाकिस्तानी हवाई हमलों में तीन अफ़ग़ान क्रिकेटर मारे गए हैं। इसके बाद, बोर्ड ने अगले महीने पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ होने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला से भी अपना नाम वापस ले लिया है। अफ़ग़ानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा कि खिलाड़ी एक दोस्ताना मैच में हिस्सा लेने के लिए उरगुन से पाकिस्तान सीमा पर पूर्वी पक्तिका प्रांत के शराना गए थे। गौरतलब है कि पाकिस्तान, श्रीलंका और अफ़ग़ानिस्तान एक त्रिकोणीय श्रृंखला में एक-दूसरे से भिड़ने वाले थे, जिसका आयोजन पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) द्वारा किया गया था और यह 17 से 29 नवंबर के बीच रावलपिंडी और लाहौर में खेली जानी थी।
एक प्रमुख घटनाक्रम में, एसीबी (अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड) ने हाल ही में आगे आकर घोषणा की कि वे देश के उरगुन जिले में सीमा पार हमलों में तीन स्थानीय क्रिकेटरों की मौत के कारण पाकिस्तान के खिलाफ अपनी आगामी त्रिकोणीय श्रृंखला से हट जाएंगे।
ट्वीट में आगे कहा गया 'शोक संदेश। अफ़ग़ानिस्तान क्रिकेट बोर्ड, पक्तिका प्रांत के उरगुन ज़िले के बहादुर क्रिकेटरों की दुखद शहादत पर गहरा दुःख व्यक्त करता है, जिन्हें आज शाम पाकिस्तानी शासन द्वारा

किए गए कायरतापूर्ण हमले में निशाना बनाया गया।' ट्वीट में आगे कहा गया, 'इस दुखद घटना के प्रति सम्मान और पीड़ितों के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए, अफ़ग़ानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नवंबर के अंत में होने वाली पाकिस्तान की आगामी त्रिकोणीय टी20 सीरीज़ में भाग लेने से हटने का फैसला किया है।'
पीसीबी ने अभी तक इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है
गौरतलब है कि पीसीबी ने अभी तक इस घटनाक्रम पर कोई टिप्पणी नहीं की है। अफ़ग़ानिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज़ 2025 में पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच होने वाली दूसरी त्रिकोणीय सीरीज़ होती; हालाँकि, यह पाकिस्तानी धरती पर उनकी पहली सीरीज़ होती।
त्रिकोणीय सीरीज़ में, पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान दो बार एक-दूसरे से भिड़ते। पहली बैठक 17 नवंबर और फिर 23 नवंबर को होनी थी। हालाँकि, इस हमले के कारण टीम श्रृंखला से हट गई है, जिससे टूर्नामेंट में अव्यवस्था फैल गई है।
काबुल ने पाकिस्तान पर युद्धविराम तोड़ने का आरोप लगाया
एएफपी ने अफगान अधिकारियों के हवाले से बताया कि पाकिस्तान ने शुक्रवार देर रात अफगानिस्तान में हवाई हमले किए, जिसमें कम से कम 10 लोग मारे गए और सीमा पर दो दिनों की शांति बनाए रखने वाले संघर्ष विराम को तोड़ दिया।
48 घंटे के इस युद्धविराम ने लगभग एक हफ्ते से चल रहे खूनी सीमा संघर्षों पर विराम लगा दिया, जिसमें दोनों पक्षों के दर्जनों सैनिक और नागरिक मारे गए थे।
पाकिस्तान में, एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने एएफपी को बताया कि सुरक्षा बलों ने अफगान सीमावर्ती इलाकों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), पाकिस्तानी तालिबान से जुड़े एक स्थानीय गुट, हाफिज गुल बहादुर समूह को निशाना बनाकर 'सटीक हवाई हमले' किए थे।
इस्लामाबाद ने कहा कि यही समूह अफ़ग़ानिस्तान की सीमा से लगे उत्तरी वज़ीरिस्तान ज़िले में एक सैन्य शिविर पर आत्मघाती बम विस्फोट और बंदूक हमले में शामिल था, जिसमें सात पाकिस्तानी अर्धसैनिक बल मारे गए थे।
दोनों देशों के बीच हालिया झड़पें 2021 के बाद से सबसे घातक थीं, जब 20 साल के युद्ध के बाद अमेरिका और नाटो सेनाओं की वापसी के बाद पश्चिमी समर्थित सरकार के पतन के बाद तालिबान ने अफ़ग़ानिस्तान में सत्ता हथिया ली थी।
पिछले हफ़्ते से सीमा पर तनाव बना हुआ है जब काबुल ने इस्लामाबाद पर अफ़ग़ान राजधानी में हमला करने का आरोप लगाया था, एक ऐसा दावा जिसे पाकिस्तान सरकार और सेना ने स्वीकार नहीं किया है।

एनएमयूएमपीए जिला स्तरीय स्कूल 'कबड्डी' प्रतियोगिता में छात्र कबड्डी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया

मुंबई। स्कूली खेल प्रतियोगिताओं के लिए, नवी मुंबई नगर निगम को एक स्वतंत्र जिले का दर्जा मिलने के बाद से, महाराष्ट्र राज्य के अंतर्गत खेल एवं युवा सेवा निदेशालय, जिला खेल परिषद, ठाणे और जिला खेल अधिकारी, ठाणे के कार्यालय के सहयोग से जिला स्तरीय स्कूल खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।
नवी मुंबई नगर निगम जिला स्तरीय स्कूल 'कबड्डी' प्रतियोगिता वर्ष 2025-26 के लिए डॉ. सी.वी. सामंत कॉलेज, तुर्भे के स्कूल प्रांगण में तीन दिवसीय आयोजित की गई।
जिला स्तरीय स्कूल कबड्डी प्रतियोगिता में 14, 17 और 19 वर्ष से कम आयु के बालक-बालिका वर्ग में कुल 224 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन शेतकरी शिक्षण प्रसारक मंडल तुर्भे के महासचिव श्री चंद्रकांत पाटिल ने नगर निगम के खेल अधिकारी श्री रेवप्पा गुरव, स्कूल के प्रधानाचार्य श्री की उपस्थिति में किया। सुनील कोली, खेल शिक्षक श्री वसंत पाटिल, श्री हनमंत दुबल, श्री संतोष भोईर, श्री अतुल पाटिल और अन्य प्रतिभागी विद्यालयों के खेल शिक्षक एवं प्रशिक्षक। इस अवसर पर बड़ी संख्या में खेल शिक्षक, प्रशिक्षक और खिलाड़ी उपस्थित थे।
इस प्रतियोगिता के अंडर-14 बालक वर्ग के पहले सेमीफाइनल राउंड में, आर. एफ. नाइक कॉलेज, बोनकोडे कोपरखैराने और नवी मुंबई नगर निगम स्कूल क्रमांक 17, जुईनगर, नेरुल के बीच हुए कड़े मुकाबले में, आर. एफ. नाइक कॉलेज की टीम ने 5 अंकों (23:18) से जीत हासिल की और फाइनल राउंड में प्रवेश किया।
नवी मुंबई नगर निगम स्कूल क्रमांक 18, सानपाड़ा और डॉ. सी. वी. सामंत विद्यालय तुर्भे के बीच हुए दूसरे सेमीफाइनल मैच में, नगर निगम स्कूल क्रमांक 18, सानपाड़ा की टीम ने 5 अंकों (30:25) से जीत हासिल की और फाइनल राउंड में प्रवेश किया।

इस आयु वर्ग के बालक वर्ग के फाइनल मैच में, मुंबई म्युनिसिपल स्कूल क्रमांक 18, सानपाड़ा और आर.एफ. नाइक कॉलेज, बोनकोड़े कोपरखैराने के बीच हुए बेहद कड़े मुकाबले में, म्युनिसिपल स्कूल क्रमांक 18, सानपाड़ा की टीम ने 28:25 से चैंपियनशिप का खिताब जीतकर मुंबई संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया।
इस प्रतियोगिता के अंडर-14 बालिका वर्ग के पहले सेमीफाइनल में डी.आर. पाटिल विद्यालय, तुर्भे और नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन स्कूल क्रमांक 42, घनसोली के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। डी.आर. पाटिल विद्यालय, तुर्भे की टीम ने यह मैच 20 अंकों (28:08) से जीतकर फाइनल राउंड में प्रवेश किया।
आर. एफ. नाइक कॉलेज, बोनकोडे कोपरखैराने और ऐरोली सेकेंडरी स्कूल, ऐरोली के बीच हुए दूसरे सेमीफाइनल मैच में, आर. एफ. नाइक कॉलेज, बोनकोडे कोपरखैराने की टीम ने 29 अंकों (35:06) से मैच जीतकर फाइनल राउंड में प्रवेश किया।
इस आयु वर्ग के बच्चों के लिए हुए फाइनल मैच में, आर. एफ. नाइक कॉलेज, बोनकोडे कोपरखैराने और डी. आर. पाटिल स्कूल, तुर्भे की टीम ने एक बेहद कड़े मुकाबले में 1 अंक (19:18) से मैच जीतकर मुंबई संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया।
इस प्रतियोगिता के अंडर-17 बालक वर्ग के पहले सेमीफाइनल राउंड में, आर. एफ. नाइक कॉलेज, बोनकोडे कोपरखैराने और नवी मुंबई नगर निगम स्कूल क्रमांक 106, कोपरखैराने की टीम ने 24 अंकों (29:05) से मैच जीतकर फाइनल राउंड में प्रवेश किया।
डॉ. सी.वी. सामंत कॉलेज, तुर्भे और शेतकरी शिक्षण प्रसारक, घनसोली के बीच खेले गए इस मैच में डॉ. सी.वी. सामंत कॉलेज, तुर्भे स्कूल की टीम ने 19 अंकों (23:04) से जीत हासिल कर फाइनल राउंड में प्रवेश किया। इस आयु वर्ग के बच्चों के लिए फाइनल मैच आर.एफ. नाइक कॉलेज, कोपरखैरणे और डॉ. सी.वी. सामंत कॉलेज, तुर्भे के बीच हुआ। फाइनल मैच में, आर.एफ. नाइक कॉलेज, कोपरखैरणे की टीम ने एक बेहद कड़े मुकाबले में 04 अंकों (26:22) से जीत हासिल कर मुंबई संभागीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया।
अंडर-17 बालिका वर्ग के पहले सेमीफाइनल राउंड में, नवी मुंबई नगर निगम स्कूल क्रमांक 104, रबाले और डॉ. सी.वी. सामंत कॉलेज तुर्भे की टीम ने 13 अंकों (26:13) से मैच जीतकर फाइनल राउंड में प्रवेश किया।
दूसरे सेमीफाइनल मैच में आर.एफ. नाइक कॉलेज, कोपरखैराने और एनएमयूएमपीए स्कूल क्रमांक 114, कोपरखैराने के बीच हुए मैच में, आर.एफ. नाइक कॉलेज, कोपरखैराने की टीम ने 13 अंकों (22:09) से जीत हासिल की और फाइनल राउंड में प्रवेश किया।
स ग्रुप के फाइनल मैच में, आर.एफ. नाइक कॉलेज, कोपरखैराने और डॉ. सी.वी. सामंत कॉलेज, तुर्भे के बीच, आर.एफ. नाइक कॉलेज, कोपरखैराने की टीम ने 15 अंकों (24:09) से जीत हासिल की और मुंबई क्षेत्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया।

पश्चिम रेलवे
इंजीनियरिंग कार्य
मंडल रेल प्रबंधक (पश्चिम रेलवे), पश्चिम रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई 400 008 - निविदा सूचना संख्याः BCT/25-26/247 दिनांक 14.10.2025 आमंत्रित करता है। **कार्य और स्थानः विरार जोरावासन खंडः-** स्वीकृत ट्रैक कार्य (i) विरार-सूरत-सीटीआर(पी)-9.679 टन किमी (ii) विरार-सूरत-टीआरआर(पी)-20.038 टन किमी और टीएसआर (पी)-19.065 टन किमी के संबंध में वरिष्ठ डीईएन/उत्तर के अधिकार क्षेत्र में रेलवे के बीएफआर पर क्रेन लगाकर निकाली गई रेल, स्लीपर, टी/ओ स्लीपर, जिंग, स्विच और अन्य पारेषण सामग्री आदि को उठाना। **कार्य की अनुमानित लागतः** 52,75,270.38/- **ईएमडीः** 1,05,500/- **जमा करने की तिथि एवं समयः** 11.11.2025, 15.00 बजे तक। **खोलने की तिथि एवं समयः** 11.11.2025 को 15.30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 0709
हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

बॉलीवुड में नई पीढ़ी का जलवा! आर्यन खान के डेब्यू पर सलमान-शाहरुख का धमाकेदार रिएक्शन

मुंबई। सऊदी अरब के रियाद में जॉय फ़ोरम कार्यक्रम में, बॉलीवुड के दिग्गज शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान एक साथ फिर से मिले और पुरानी यादें ताज़ा कीं और दोस्ताना बातचीत की। इस अवसर पर उनके दशकों के सहयोग और भारतीय सिनेमा पर इन सितारों के प्रभाव पर प्रकाश डाला गया।
चर्चा के दौरान, सलमान खान ने शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की उनके निर्देशन में बनी परियोजना के लिए प्रशंसा की। सलमान ने कहा, 'आर्यन ने एक वेब शो, 'द बैड्स ऑफ़ बॉलीवुड' बनाया था। इसने वाकई बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। तो अब उसकी परवरिश भी वैसी ही है! वह ऐसा नहीं चाहता था... मैं चाहता हूँ कि वह कैमरे के सामने हो, और एक बेहद गंभीर पिता हो... और जैसा कि मैंने पहले कहा था, अगर वह उनका उत्तराधिकारी बनता है तो आर्यन ही एकमात्र व्यक्ति

होगा जिससे वह खुश होगा।'
शाहरुख खान ने मज़ाकिया अंदाज़ में जवाब दिया: 'या अगर सलमान का कोई बेटा होता! तो मैं चाहूँगा कि वह मानव इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा सितारा बने। इसलिए हम इस पर काम कर रहे हैं। लेकिन जैसा सलमान ने कहा, आजकल सभी युवा वीडियो के बारे में बहुत साक्षर हैं और इससे आर्यन को बहुत मदद मिली है।' दर्शकों ने हँसी के ठहाके लगाए, जिससे दोनों सितारों के बीच की दोस्ती उजागर हुई।
आर्यन खान द्वारा निर्देशित, 'द बैड्स ऑफ़ बॉलीवुड' हिंदी फिल्म उद्योग की आंतरिक गतिशीलता पर आधारित एक व्यंग्य है। इस शो में लक्ष्य और सहर बंबा मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि अन्या सिंह, राघव जुयाल, बॉबी देओल, मोना सिंह और मनोज पाहवा जैसे सहायक कलाकार भी हैं। आलोचकों ने इसके लेखन और अभिनय की प्रशंसा की है। यह सीरीज़ ऑनलाइन स्ट्रीम होती है और इसे प्रशंसा और लोकप्रिय ध्यान मिल रहा है। समीक्षाओं में इसकी तीक्ष्ण कथा शैली और उद्योग जगत के सत्ता संघर्षों की पड़ताल पर ज़ोर दिया गया है। यह प्रोजेक्ट आर्यन खान का निर्देशक के रूप में पहला बड़ा प्रोजेक्ट है।
सलमान खान की प्रशंसा और शाहरुख खान की हल्की-फुल्की प्रतिक्रिया, दोनों ही बॉलीवुड द्वारा युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और पारिवारिक विरासतों के उत्सव को दर्शाती हैं। इस कार्यक्रम ने उद्योग जगत की प्रभावशाली हस्तियों के बीच संबंधों की एक झलक पेश की।
जॉय फ़ोरम के आयोजन ने दिग्गज अभिनेताओं को एक साथ लाया और हिंदी सिनेमा में उभरते हुए कथानकों को रेखांकित किया, क्योंकि आर्यन खान जैसी उभरती आवाज़ों को उनकी रचनात्मकता के लिए पहचाना जाता है। इस कार्यक्रम ने सोशल मीडिया पर, खासकर अभिनेताओं की तस्वीरों के ऑनलाइन प्रसारित होने के बाद, चर्चाओं को जन्म दिया।

मध्य रेल
ई-निविदा सूचना
मुख्य कारखाना प्रबंधक का कार्यालय, माटुंगा, मुंबई 400019. **निविदा सूचना क्र. - आरआर / पीआर/ डब्ल्यूसी / 2094 / 2025-26 / 64. कार्य का विवरण:** आईसीएफ और एलएचबी प्रशिक्षकों के लिए फिटिंग शॉप की गैर-मुख्य गतिविधियाँ। **मात्रा:** रेट शेड्यूल के अनुसार. **निविदा समापन / खोलने और समय की तिथि:** 12.11.2025, 12:00 बजे तक. निविदा विवरण और निविदा दस्तावेज **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है। निविदाएं वेबसाइट के माध्यम से केवल ई-टेंडरिंग प्रारूप में ही स्वीकार की जाएंगी।
निषेक जैन
APEX-563 **उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (III)**
खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

दंगल गर्ल ज़ायरा वसीम ने किया निकाह, शादी की तस्वीरें हुईं वायरल, फैंस हैरान!

मुंबई। धार्मिक कारणों का हवाला देते हुए 2019 में बॉलीवुड छोड़ने वाली पूर्व दंगल अभिनेत्री ज़ायरा वसीम ने शादी कर ली है। अभिनेत्री ने शुक्रवार शाम इंस्टाग्राम पर अपने निजी निकाह समारोह की तस्वीरें साझा करके अपने प्रशंसकों को चौंका दिया।
ज़ायरा ने समारोह की दो तस्वीरें साझा कीं, जिनमें इस गंभीर लेकिन शांत पल को खूबसूरती से कैद किया गया है। पहली तस्वीर में, वह अपने निकाहनामा, यानी विवाह अनुबंध पर हस्ताक्षर करती हुई दिखाई दे रही हैं, उनके हाथों पर जटिल मेहंदी के डिज़ाइन और एक खूबसूरत पन्ना जड़ित अंगूठी है। तस्वीर में उनके सुंदर हाव-भाव को दर्शाया गया है, जब वह दस्तावेज़ पर अपने हस्ताक्षर करती हैं, जो उनके जीवन के एक नए अध्याय की आधिकारिक शुरुआत का प्रतीक है।
ज़ायरा वसीम ने शादी की तस्वीरें साझा कीं
ज़ायरा द्वारा साझा की गई दो तस्वीरों में, सीक्रेट सुपरस्टार अभिनेत्री अपने निकाह के कागजात पर हस्ताक्षर करती और अपने पति के साथ चाँद को देखती हुई दिखाई दे रही थीं। हम उनकी अनामिका उंगली में बड़े हीरे को भी देख सकते थे। कैप्शन में, उन्होंने लिखा, 'कुबूल हैं3।' तस्वीरों पर एक नज़र डालें:
ज़ायरा वसीम के निकाह की तस्वीरों पर प्रशंसकों की क्या प्रतिक्रिया रही?

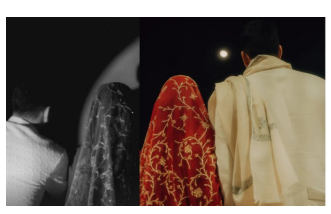

ज़ायरा वसीम की शादी की तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं। प्रशंसकों ने उनकी तस्वीरों पर प्यार बरसाते हुए लिखा, 'अल्लाह के लिए सब कुछ छोड़ देना एक दुर्लभ शक्ति है, और आपने इसे खूबसूरती से दिखाया है। आपका सफ़र मुझे हर दिन प्रेरित करता है। यह नया अध्याय आपको शांति, आनंद और हर वो आशीर्वाद दे जिसकी आप हकदार हैं, रानी, आप अद्भुत हैं', 'अल्लाह आपके निकाह को प्यार, शांति और अनंत बरकत से नवाज़े', 'आपकी शादी मुबारक हो!', 'उसने जो किया, जो छोड़ा और जो अपनाया वह अमूल्य है', और अन्य।
ज़ायरा वसीम ने अभिनय क्यों छोड़ा?
ज़ायरा वसीम का बॉलीवुड सफ़र छोटा लेकिन प्रभावशाली रहा। आमिर खान की फिल्म दंगल में युवा गीता फोगट की भूमिका ने उन्हें लगभग रातोंरात घर-घर में मशहूर कर दिया। इस भूमिका के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिला। अगले वर्ष, 2017 में, उन्होंने आमिर खान की फिल्म सीक्रेट सुपरस्टार में अभिनय किया। उनकी आखिरी स्क्रीन उपस्थिति प्रियंका चोपड़ा और फरहान अख्तर के साथ द स्काई इज़ पिंक (2019) में आई थी।
फिर, जून 2019 में, अपने करियर के चरम पर, ज़ायरा ने अपनी धार्मिक मान्यताओं का हवाला देते हुए, अभिनय से दूरी बनाने की घोषणा करके सभी को चौंका दिया।

पश्चिम रेलवे
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे
मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल - मुंबई - 400 008।
कार्य - मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करना।

नीलामी सूची क्रमांक		नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)		
MMCT-ADVT-25-46		04-11-25 15:00 hrs.		
अ. क्र.	लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	ADVT-BCT-DDR-OSN-443-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	दादर (डीडीआर) स्टेशन पर पैदल पुलों (एफओबी) पर 3 वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	04.11.25 15:30 hrs.
2	ADVT-BCT-CYR-OSN-442-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	चर्नी रोड (सीवाईआर) स्टेशन पर 3 वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	04.11.25 15:40 hrs.
3	ADVT-BCT-BA-OSN-440-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	बांद्रा (बीए) स्टेशन पर पैदल पुलों (एफओबी) पर 3 वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	04.11.25 15:50 hrs.
4	ADVT-BCT-ADH-OSN-441-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	अंधेरी स्टेशन के ऊपरी डेक पर बैठने की व्यवस्था के साथ ग्लो लॉलीपॉप के लिए 3 वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	04.11.25 16:00 hrs.

संपर्क विवरणः लैंडलाइन नंबर - 02267644212 ईमेल आईडीः acmadvtgbct@gmail.com **नोटः** संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट-वार विवरण नीचे दिए गए कैटलॉग में उपलब्ध हैं। 0710
Like us on : facebook.com/WesternRly | Follow us on : twitter.com/WesternRly

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
ई-निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, सामान्य मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेलवे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते है । **निविदा क्र.: सोला/वि/नि/2025/03R कार्य का नाम:** 8 रेलवे स्टेशनों (i.e. PPJ, BRB, MLM, BGVN, JNTR, PRWD, WSB, JH) 202 रेलवे क्वार्टरों और 26 सर्विस बिल्डिंग के साथ-साथ 2 एलसी गेटों [LC 19 (DD-BRB), LC 21 (MLM-BGVN)] के विद्युत रखरखाव कार्यों की आउटसोर्सिंग 2 वर्ष (24 महीने) की अवधि के लिए। **कार्य की लागतः** ₹1,38,15,723.69 **बोली प्रतिभूति :** ₹ 2,19,100.00 **कार्य पुरा करने की अवधि :** 24 माह **निविदा प्रस्ताव की वैधता :** 90 दिन **वेबसाइट पर निविदा बंद करने की तिथि और समयः** दि. 15/11/2025 को 15.00 बजे । बोली प्रतिभूति राशि की रकम का भुगतान ई-पेमेंट द्वारा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर करना है।
वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य)
Apex-81 **मध्य रेल, सोलापुर**
अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

बिहार चुनावः गिरिराज बोले- महागठबंधन नहीं 'ठगबंधन', तेजस्वी पर जनता को भरोसा नहीं

पटना। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को दावा किया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल करने के लिए तैयार है। साथ ही, उन्होंने विपक्षी महागठबंधन पर तीखा हमला करते हुए कहा कि यह खंडित अवस्था में है - 'दिल के टुकड़े हज़ार हुए, कोई यहाँ गिरे, कोई वहाँ गिरे।' सिंह ने यह भी कहा कि बिहार में 'महागठबंधन' जैसी कोई चीज़ नहीं है, और राजद नेता तेजस्वी यादव में जनता की उदासीनता को दर्शाया।

गिरिराज सिंह ने एएनआई से कहा, '2010 में जेडी(यू) और बीजेपी ने मिलकर 206 सीटें जीतकर रिकॉर्ड बनाया था। इस बार हम उससे भी आगे जाएंगे। हमारे पास 'नेता', 'नेतृत्व' और कार्यक्रम है। 'महागठबंधन' जैसी कोई चीज नहीं है, तेजस्वी यादव पर कोई भरोसा नहीं है। वे एक-दूसरे को नेता मानने को तैयार नहीं हैं। उनके पास न तो 'नेता' है और न ही 'नेतृत्व'।'

विपक्षी गुट पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, 'महागठबंधन 'दिल के टुकड़े हज़ार हुए, कोई यहाँ गिरे, कोई वहाँ गिरे' वाली स्थिति में है। वे 4 दर्जन

सीटों पर एक-दूसरे के आमने-सामने हैं... उनका 'गठबंधन' 'ठगबंधन' साबित हुआ। वे एक-दूसरे को धोखा दे रहे हैं। इससे पता चलता है कि वे हताश और निराश हैं।'

इससे पहले आज, जनता दल (यूनाइटेड) के नेता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि दो चरणों वाले बिहार विधानसभा चुनावों के लिए सीट आवंटन को लेकर विपक्षी गठबंधन के भीतर चल रहे गतिरोध के बीच महागठबंधन के नेता 'एक-दूसरे के खिलाफ तलवारें भांज रहे हैं'। उन्होंने यह भी दावा किया कि राजद ने विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस के खिलाफ उम्मीदवार खड़ा किया है। पटना में एएनआई से बात करते हुए प्रसाद ने कहा, 'चुनाव शुरू होने से पहले ही विपक्ष हार चुका है। उनके अपने नेता एक-दूसरे के खिलाफ तलवारें भांज रहे हैं। कांग्रेस ने भी इस बार राजद को सबक सिखाने का संकल्प लिया है। राजद ने तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ भी उम्मीदवार उतार दिया है।' यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब बिहार में 243 सीटों वाले विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। हालाँकि, राष्ट्रीय जनता दल (राजद), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) और वामपंथी दलों, जिनमें भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन-सीपीआईएमएल (लिबरेशन) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) (सीपीआईएम) शामिल हैं, से बना महागठबंधन अपने उम्मीदवारों के चयन और सीटों के बंटवारे में देरी कर रहा है। इस बीच, सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने सीटों के बंटवारे की सूची साझा की है और पार्टी ने प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में अपनी जमीनी तैयारी शुरू कर दी है।

धनतेरस पर दिल्ली-एनसीआर में ट्रैफिक का महाजाम, घंटों फंसे लोग बेहाल, सड़कें पैक

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी और देश के बाकी हिस्सों में धनतेरस के त्यौहार के दौरान शनिवार को दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र की सड़कों पर भारी यातायात जाम देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे दृश्यों के अनुसार, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर भारी यातायात देखा जा रहा है। दृश्यों में दक्षिण दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के पास भारी यातायात भी दिखाया गया, जहां यात्रियों ने त्योहारी सीजन के दौरान योजना की कमी के कारण अपनी निराशा व्यक्त की।

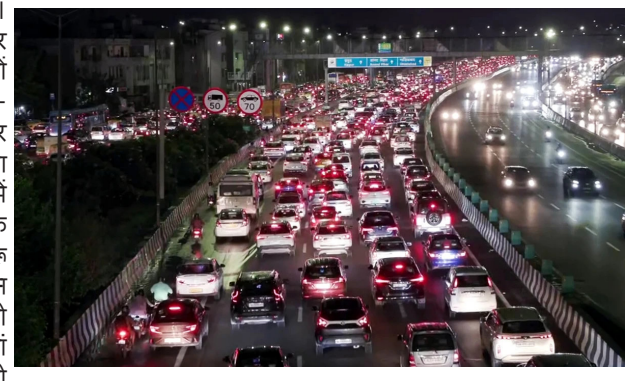

धनतेरस के मौके पर आभूषण बाज़ारों में भारी भीड़ देखी जा रही है, जब लोग दिवाली से पहले समृद्धि के प्रतीक के रूप में कीमती धातुएँ खरीदते हैं। कोटला मुबारकपुर जैसी जगहों पर दुकानें ग्राहकों से खचाखच भरी दिखीं, और शाम ढलते ही और भी ज़्यादा ग्राहकों के आने की उम्मीद थी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने शनिवार को घोषणा की कि दिवाली की पूर्व संध्या पर रविवार को दिल्ली मेट्रो ट्रेनें विस्तारित समय पर चलेंगी। रविवार को समय विस्तार पिंक, मैजेंटा और ग्रे लाइनों पर लागू होगा, जिससे ट्रेनें सामान्य से पहले चलेंगी। डीएमआरसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'दिवाली की पूर्व संध्या (19.10) पर पिंक, मैजेंटा और ग्रे लाइनों पर मेट्रो ट्रेन सेवाएँ, जो आमतौर पर रविवार को सुबह 7:00 बजे शुरू होती हैं, अब सुबह 6:00 बजे शुरू होंगी। सोमवार (20.10) को, दिवाली के त्योहार के कारण, 20 अक्टूबर, 2025 (सोमवार) को आखिरी मेट्रो ट्रेन सेवा एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन सहित सभी लाइनों के टर्मिनल स्टेशनों से रात 10:00 बजे शुरू होगी। दिवाली के दिन बाकी दिन सभी लाइनों पर मेट्रो ट्रेन सेवाएँ अपने नियमित समय से सामान्य रूप से चलेंगी।'

अधिक संरक्षणवादी होती दुनिया में भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता सकारात्मक संकेत देता हैः सुनक

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने शुक्रवार को कहा कि अधिक संरक्षणवादी होती जा रही दुनिया में भारत और ब्रिटेन जैसे देशों द्वारा एक बड़े व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करना दुनिया को बहुत सकारात्मक संकेत देता है।

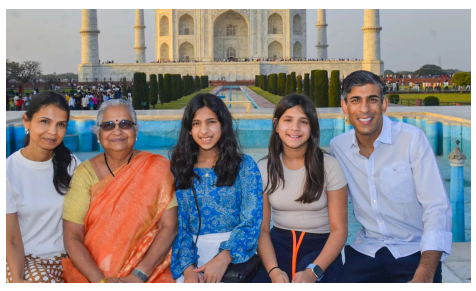

सुनक ने 'एनडीटीवी वर्ल्ड समिट' में आयोजित एक संवाद सत्र में यह भी कहा कि हाल में व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होते देखना बहुत अच्छा लगा। उन्होंने कहा, ''इस पर मैंने काम करना शुरू किया था, और मुझे खुशी है कि नई सरकार ने इसे पूरा किया।'' जुलाई में, भारत और ब्रिटेन ने एक द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते, व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) पर हस्ताक्षर किए, जो उनकी दीर्घकालिक साझेदारी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। सत्र के दौरान, सुनक से व्यापार समझौते और भारत-ब्रिटेन संबंधों के आगे के रास्ते के बारे में पूछा गया। उन्होंने कहा, एक ऐसी दुनिया में जो तेज़ी से संरक्षणवादी होती जा रही है, भारत और ब्रिटेन जैसे देशों द्वारा एक बड़े व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करना दुनिया को एक बहुत ही सकारात्मक संकेत देता है। यह व्यवसायों, नागरिक समाज, सांस्कृतिक संगठनों (और) शैक्षणिक संस्थानों को बताता है कि यह रिश्ता मायने रखता है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि दोनों देश इतिहास, संस्कृति, परिवारों और तेज़ी से आर्थिक संबंधों से भी अटूट रूप से जुड़े हुए हैं।

पीएम मोदी के आरोप पर भड़के प्रमोद तिवारी, कहा- कांग्रेस ने माओवादियों से हमेशा लड़ाई लड़ी

नई दिल्ली। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने शनिवार को एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2025 के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी माओवादी और नक्सली खतरों सहित सभी प्रकार की हिंसा और उग्रवाद के खिलाफ लगातार मजबूती से खड़ी रही है। समिट को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस पार्टी ने संविधान के प्रति सार्वजनिक रूप से निष्ठा प्रदर्शित करते हुए, माओवादी उग्रवाद को पनाह दी है। उन्होंने कहा, 'जो लोग संविधान की प्रतियों का दिखावा करते हैं, वे माओवादी आतंक को पनाह देते रहते हैं।'

प्रधानमंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, तिवारी ने एएनआई को बताया कि कांग्रेस पार्टी हिंसा के सामने पीछे नहीं हटी है। उन्होंने माओवादी हमलों में छत्तीसगढ़ के लगभग पूरे नेतृत्व को खोने की याद दिलाई। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और कई बलिदान दिए। आतंकवादियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की शहादत देखी और अनगिनत कांग्रेस नेताओं ने अपने प्राणों की आहुति दी। माओवादियों और नक्सलवादियों के कारण हमने छत्तीसगढ़ का लगभग पूरा नेतृत्व खो दिया... हमने उनके सामने आत्मसमर्पण नहीं किया और न ही झुके। हम उनके खिलाफ लड़ते हैं।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा, 'हम यह स्पष्ट रूप से कहना चाहते थे कि देश में जो भी हिंसा का इस्तेमाल करेगा, हम हमेशा उसके खिलाफ खड़े रहेंगे।' शुक्रवार को, पिछले 75 घंटों में 303 नक्सलियों के आत्मसमर्पण का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब देश पूरी तरह से नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा और माओवादी आतंकवाद से मुक्त क्षेत्रों में दिवाली का उत्सव वाकई खास होने वाला है।

एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2025 को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुछ लोगों ने नक्सलवाद का इस्तेमाल लापरवाही से किया है, लेकिन वास्तव में, यह माओवादी आतंकवाद है। उन्होंने कहा कि माओवादी आतंकवाद 'हमारे देश के युवाओं के साथ एक बड़ा अन्याय, एक गंभीर पाप' है और वह इस देश के युवाओं को ऐसी स्थिति में नहीं छोड़ सकते। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें अंदर से गहरी बेचैनी महसूस होती थी, लेकिन वह लंबे समय तक चुप रहे। उन्होंने कहा, 'आज पहली बार मैं अपना दर्द आपके साथ साझा कर रहा हूँ।'

काठमांडू के संवेदनशील पांच इलाकों में विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाया गया

काठमांडू। नेपाली प्राधिकारियों ने राजधानी काठमांडू के पांच संवेदनशील क्षेत्रों में दो महीने की अवधि के लिए विरोध प्रदर्शनों पर शुक्रवार को प्रतिबंध लगा दिया। यह प्रतिबंध शनिवार से प्रभावी होगा।

काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, राष्ट्रपति कार्यालय शीतल निवास, सिंहदरबार सचिवालय, प्रधानमंत्री आवास, लैंचौर स्थित उपराष्ट्रपति आवास और नारायणहिती संग्रहालय के आसपास के क्षेत्रों पर प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। सभी पांच स्थानों पर विरोध कार्यक्रम, सभा, धरना, भूख हड़ताल और प्रदर्शन प्रतिबंधित कर दिए गए।

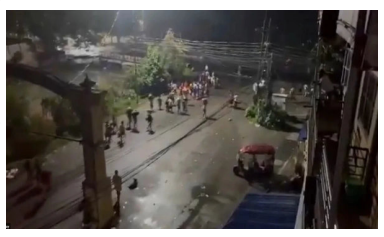

नोटिस के अनुसार, ''इन संवेदनशील क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन, सभाएं और मार्च आयोजित करने से कानून-व्यवस्था की स्थिति खतरे में पड़ सकती है और शांति भंग हो सकती है, साथ ही सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचने का खतरा भी हो सकता है, जिसे देखते हुए यह प्रतिबंध लगा दिया गया है।''

मुख्य जिला प्रशासन अधिकारी ईश्वर राज पौडेल द्वारा हस्ताक्षरित नोटिस में कहा गया है कि नेपाल के संविधान के तहत अन्य सभी स्थानों पर शांतिपूर्ण सभाओं एवं विरोध प्रदर्शनों की अनुमति है। ये प्रतिबंध पिछले महीने 'जेन-जेड' के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के बाद लगाए गए हैं। 'जेन जेड' उस पीढ़ी को कहा जाता है जो 1997 से 2012 के बीच पैदा हुई है।

PoK में हड़कंप! PM हक पर शरणार्थियों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए मंत्रियों ने दिया इस्तीफा

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर (पीओजेके) के प्रधानमंत्री चौधरी अनवारुल हक के मंत्रिमंडल के तीन वरिष्ठ मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री मौजूदा राजनीतिक उथल-पुथल और क्षेत्र के लोगों के अधिकारों की रक्षा करने में विफलता के लिए ज़िम्मेदार हैं। सूचना मंत्री पीर मज़हर सईद पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं, जबकि वित्त मंत्री अब्दुल मजीद खान, खाद्य मंत्री चौधरी अकबर इब्राहिम और मंत्री असीम शरीफ भट ने भी अपने इस्तीफे की घोषणा की है, जैसा कि द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया है।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, मंत्रियों ने हक पर पीओजेके के निवासियों के साथ-साथ पाकिस्तान में रह रहे 25 लाख कश्मीरी शरणार्थियों के संवैधानिक और राजनीतिक अधिकारों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री के इस्तीफे की भी मांग की और आरोप लगाया कि उन्होंने नैतिक और राजनीतिक वैधता खो दी है। असहमति जताने वाले मंत्रियों ने हालिया अशांति से निपटने के सरकार

के तरीके और क्षेत्र के विधायी ढांचे में शरणार्थी आबादी के प्रतिनिधित्व के प्रति उसकी कथित उदासीनता पर गहरा असंतोष व्यक्त किया। अपने त्यागपत्र में, अब्दुल मजीद खान ने पाकिस्तान में विलय की विचारधारा के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई और कहा कि उनका रुख कश्मीरी शरणार्थियों के राजनीतिक अधिकारों की रक्षा में निहित है।

उन्होंने जम्मू-कश्मीर संयुक्त कार्रवाई समिति (JAAC) की तीखी आलोचना की, जिसने पीओजेके विधानसभा में शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को समाप्त करने की 'विभाजनकारी और अवसरवादी' मांग को आगे बढ़ाया। खान ने तर्क दिया कि JAAC और संघीय प्रतिनिधियों के बीच हुए समझौते में वैधता और आम सहमति का अभाव था, जिससे हजारों विस्थापित कश्मीरियों के अधिकारों पर प्रकाश डाला गया।

इसी तरह की चिंताओं को दोहराते हुए, खाद्य मंत्री चौधरी अकबर इब्राहिम ने कहा कि शरणार्थी 'मात्र राजनीतिक संख्या' नहीं हैं, बल्कि देशभक्त पाकिस्तानी हैं जिन्होंने दशकों तक अलगाव और कष्ट सहे हैं। उन्होंने हक सरकार पर उनकी संवैधानिक स्थिति की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया और कहा कि 'ऐसे नेतृत्व में सेवा जारी रखना असंभव हो गया है,' जैसा कि द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने उद्धृत किया है। खान और इब्राहिम दोनों ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को पत्र लिखकर हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है।

ट्रंप और जेलेंस्की के बीच हुई बातचीत, कीव को मिसाइलें भेजने के लिए तैयार नहीं अमेरिकी नेता

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने गाजा में पिछले सप्ताह हुए युद्धविराम और बंधक समझौते को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को शुक्रवार को बधाई दी और कहा कि अब ट्रंप के पास रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने का बड़ा मौका है।

ट्रंप ने 'व्हाइट हाउस' में यहां जेलेंस्की की मेजबानी की। अमेरिकी नेता ने संकेत दिया है कि वह कीव को लंबी दूरी की मिसाइल प्रणाली बेचने की सहमति देने को तैयार नहीं हैं। हालांकि यूक्रेन को इसकी सख्त जरूरत है।

जेलेंस्की अपने शीर्ष सहयोगियों के साथ दोपहर के भोजन पर ट्रंप के साथ नवीनतम घटनाक्रम पर चर्चा करने के लिए यहां पहुंचे। इससे एक दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर लंबी बातचीत हुई थी, जिसमें युद्ध का मुद्दा छाया रहा था।

जेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति से बातचीत की शुरुआत में गाजा में पिछले सप्ताह हुए युद्धविराम और बंधक समझौते पर उन्हें (ट्रंप को) बधाई दी। उन्होंने कहा कि अब ट्रंप के पास रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने का बड़ा मौका है।

ज़ेलेंस्की ने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप के पास अब इस युद्ध को समाप्त करने का एक बड़ा मौका है।'' हाल ही में ट्रंप ने यूक्रेन को लंबी दूरी की 'टॉमहॉक क्रूज' मिसाइलें बेचने की मंशा दिखाई थी, जबकि पुतिन ने चेतावनी दी थी कि इस तरह के कदम से अमेरिका-रूस संबंधों में और तनाव पैदा होगा।

ऑपरेशन सिंदूर भूले पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर, भारत को दी गीदड़भभकी, कहा- निर्णायक जवाब देंगे

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर ने एक बार फिर भारत विरोधी बयानबाजी की, जबकि उनके सैनिकों को तालिबान के साथ चल रहे संघर्ष में कई झटके लगे हैं। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, काकुल स्थित पाकिस्तान सैन्य अकादमी (पीएमए) में पासिंग आउट परेड को संबोधित करते हुए मुनीर ने कहा कि 'परमाणु ऊर्जा से लैस माहौल में युद्ध की कोई गुंजाइश नहीं है।' ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के साथ हुए संक्षिप्त संघर्ष में मुनीर की सेना ने अपने कई प्रमुख हवाई अड्डे खो दिए थे। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान डरेगा नहीं। भारतीय हमलों से तबाह होने के बाद उनके डीजीएमओ ने ही युद्धविराम की मांग की थी। हालांकि, मुनीर ने इस तथ्य को छिपाने की कोशिश करते हुए कहा कि हम आपकी बयानबाजी से न तो कभी डरेंगे और न ही दबाव में आएंगे और बिना किसी झिझक के, मामूली उकसावे का भी, पूरी तरह से, निर्णायक जवाब देंगे। आगे चलकर तनाव बढ़ने की ज़िम्मेदारी, जिसके अंततः पूरे क्षेत्र और उसके बाहर विनाशकारी परिणाम

हो सकते हैं, पूरी तरह से भारत पर होगी। मुनीर ने कहा, 'अगर शत्रुता की एक नई लहर शुरू होती है, तो पाकिस्तान अपनी उम्मीदों से कहीं ज़्यादा जवाब देगा।' ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान के 12-13 लड़ाकू विमानों को नष्ट कर दिया, जिनमें ज़मीन पर चार से पाँच इ-16 और हवा में पाँच इ-16 और व्ह-17 के साथ-साथ दो जासूसी विमान भी शामिल थे। भारतीय वायु सेना ने कई पाकिस्तानी हवाई अड्डों पर भी हमले किए, रडार, कमांड सेंटर, रनवे, हैंगर और एक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली को नुकसान पहुँचाया। इस स्थिति का सामना करते हुए, मुनीर ने तथ्यों को छिपाने के लिए बयानबाजी का सहारा लिया।

उन्होंने कहा कि संघर्ष और संचार क्षेत्रों के बीच कम होते अंतर के साथ, हमारी हथियार प्रणालियों की पहुँच और मारक क्षमता भारत के भौगोलिक युद्ध-क्षेत्र की गलत धारणा को चकनाचूर कर देगी। इससे होने वाला गहरा दर्दनाक प्रतिशोधात्मक सैन्य और आर्थिक नुकसान अराजकता और अस्थिरता फैलाने वालों की कल्पना और गणना से कहीं परे होगा।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान संघर्ष पर ट्रंप का अहम बयान, कहा- मुझे युद्ध सुलझाना पसंद है

पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) कहा कि उन्हें युद्ध सुलझाना पसंद है', लेकिन उन्होंने यह भी बताया कि काबुल पर हमला इस्लामाबाद ने ही किया था। 79 वर्षीय ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए यह बात कही। ट्रंप ने कहा कि अगर वह पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच संघर्ष सुलझा लेते हैं, तो यह नौवाँ युद्ध होगा जिसे वह सुलझाएँगे। हालाँकि ट्रंप ने कहा कि उनके लिए इस संघर्ष को सुलझाना आसान होगा, उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उन्हें पहले अमेरिका को चलाना होगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैंने आठ युद्ध सुलझाए। रवांडा और कांगो जाइए, भारत और पाकिस्तान के बारे में बात कीजिए। उन सभी युद्धों को देखिए जिन्हें हमने सुलझाया, और हर बार जब मैंने सुलझाया, तो वे कहते हैं कि अगर तुम अगला सुलझाओगे, तो तुम्हें नोबेल

पुरस्कार मिलेगा। मुझे नोबेल पुरस्कार नहीं मिला। किसी और को मिला जो एक बहुत अच्छी महिला हैं। मुझे नहीं पता कि वह कौन हैं, लेकिन वह बहुत उदार थीं। मुझे इन सब बातों की परवाह नहीं है। मुझे बस जान बचाने की परवाह है। लेकिन यह नौवां होगा... तो, जहाँ तक मुझे पता है, हमारे पास ऐसा कोई राष्ट्रपति नहीं रहा जिसने एक भी युद्ध सुलझाया हो। एक भी युद्ध नहीं। बुश ने एक युद्ध शुरू किया था... लेकिन मैंने करोड़ों जानें बचाईं।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा, मैंने लाखों जानें बचाईं... उदाहरण के तौर पर पाकिस्तान और भारत को ही देख लीजिए। वह एक बुरा उदाहरण होता... हालाँकि मैं समझता हूँ कि पाकिस्तान ने हमला किया था, या अफ़ग़ानिस्तान पर हमला हो रहा है। अगर मुझे इसे सुलझाना है, तो मेरे लिए यह आसान है। इस बीच, मुझे अमेरिका चलाना है, लेकिन मुझे युद्ध सुलझाना पसंद है। जानते हो क्यों? मुझे लोगों को मरने से रोकना पसंद है, और मैंने लाखों-करोड़ों लोगों की जान बचाई है।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है क्योंकि पाकिस्तान ने काबुल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के ठिकानों पर हवाई हमला किया था। पाकिस्तान लगातार अफगानिस्तान पर टीटीपी आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाता रहा है, लेकिन पाकिस्तान ने इन आरोपों से इनकार किया है। पाकिस्तान के हवाई हमले के बाद, अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने भी जवाबी कार्रवाई की और डूरंड रेखा पर कई पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर कब्जा कर लिया, जिसमें उनके कई सैनिक मारे गए।

इसके बाद पाकिस्तानी सरकार को 48 घंटे के युद्धविराम का आह्वान करना पड़ा।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। दैथानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)